घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 101- मंगलवार 10- फरवरी 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

लोकसभा : विपक्ष स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ला सकता है

स्पीकर ने कमिट किया,क्या आप बोलने देंगे : राहुल

नई दिल्ली,09 फरवरी 2026। बजट सत्र के 9 वें दिन लोकसभा की कार्यवाही केवल 13 मिनट ही चल पाई। विपक्ष सदन में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बोलने देने की मांग कर रहा है। राहुल गांधी ने लोकसभा में कहा कि 1 घंटा पहले स्पीकर के पास हम गए, स्पीकर ने हमें कमिट किया कि मुझे बजट डिस्कशन से पहले बोलने दिए जाएगा,आप मुझे बोलने नहीं दे रही हैं। मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि आप मुझे बोलने देंगी या नहीं। 3 बजे जब सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो आसंदी (स्पीकर की चेयर) पर संध्या राय (भाजपा सांसद) बैठी थीं। राहुल की बात के जवाब में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि मैं भी स्पीकर के केबिन में मौजूद था। ऐसा कोई कमिटनमेंट नहीं किया गया। संध्या ने राहुल से कहा कि आपकी तरफ से किसी और मुद्दे के लिए कोई नोटिस नहीं आया है, बजट पर चर्चा करनी हो तो बताएं। इसके बाद विपक्ष ने हंगामा किया। इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए कार्यवाही स्थगित कर दी गई। वहीं, विपक्ष लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ला सकता है।

कांग्रेस महिला सांसदों ने लोकसभा स्पीकर को लेटर लिखा

लेटर में लिखा गया- हम यह पत्र बहुत दुख और संवैधानिक जिम्मेदारी की गहरी भावना के साथ लिख रहे हैं। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आप, लोकसभा के स्पीकर और इस सम्मानित सदन के संवैधानिक संरक्षक होने के नाते,सत्ताधारी पार्टी द्वारा विपक्ष की महिला सांसदों,खासकर इंडियन नेशनल कांग्रेस की महिला सांसदों के खिलाफ झूठे, बेबुनियाद और मानहानिकारक आरोप लगाने के लिए मजबूर किए गए हैं।

किरेन रिजिजू ने कहा...मैं स्पीकर के केबिन में मौजूद था,स्पीकर पर आरोप लगाने की बात नहीं हुई...

किरेन रिजिजू ने कहा कि मैं स्पीकर के केबिन में मौजूद था। हमारी वहां बात हुई थी कि स्पीकर पर आरोप लगाएंगे तो स्पीकर भी जवाब देंगे। दोनों पक्षों में संसद चलने को लेकर बात हुई थी। ये तय नहीं हुआ था कि केवल किसी मुद्दे पर चर्चा होगी।

प्रियंका बोलीं...मोदी की सदन में आने की हिम्मत नहीं...

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि स्पीकर पर इतना प्रेशर है कि उन्हें खुद बयान देना पड़ रहा है, जो सही नहीं है। इसका सवाल ही नहीं उठता कि कोई मोदी जी पर हाथ उठाए। सदन में कांग्रेस की 11 महिला सांसद हैं, जिनमें से मैं भी एक हूं। सभी महिला सांसद सीरियस पॉलिटिशियंस हैं। स्पीकर ने उनका अपमान किया है। स्पीकर पर सरकार ने ऐसा कहने का प्रेशर डाला है। नरेंद्र मोदी की हिम्मत नहीं हुई सदन में आने की, इसलिए स्पीकर से सफाई दिलवा रहे हैं।

राहुल बोले...सरकार बहस से डर रही है...

राहुल गांधी ने कहा कि नरवणे की किताब के मुद्दे पर सरकार ने उन्हें बार-बार बोलने नहीं दिया और सदन रोक दिया। पहले किताब, फिर मैगजीन को कोट करने से रोका गया। रक्षा मंत्री ने गलत कहा कि किताब छपी नहीं है, जबकि वह छप चुकी है। राष्ट्रपति के भाषण पर भी एलओपी और विपक्ष को बोलने नहीं दिया गया। वहीं सत्तापक्ष के एक सदस्य ने कई किताबें कोट कर आपत्तिजनक बातें कहीं, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके अलावा विपक्ष के सदस्यों को सस्पेंड किया गया। उन्होंने कहा कि यह झूठ फैलाया गया कि विपक्ष प्रधानमंत्री को धमकी दे रहा था। सच यह है कि प्रधानमंत्री सच से डरकर सदन नहीं आए। अगर किसी ने धमकी दी है तो एफआईआर कर गिरफ्तार करें। राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष चर्चा चाहता है, लेकिन सरकार बहस से डर रही है। खासकर बजट, यूएस डील और किसानों पर उसके असर पर बात करने से।

मनीष तिवारी बोले...सदन चलाना सरकार का काम है...

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि देश के सामने बहुत गंभीर मुद्दे हैं भारत-अमेरिका ट्रेड समझौते पर कथित जॉइंट स्टेटमेंट, अमेरिकी राष्ट्रपति का एग्जीक्यूटिव ऑर्डर, जिसमें कहा गया है कि हमने रूस से तेल न खरीदने का वादा किया है। इन सबका हमारी आजादी और विदेश और आर्थिक नीति पर रणनीतिक असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सांसदों को सस्पेंड करने का भी मुद्दा है,और विपक्ष इन सभी मुद्दों को उठाना चाहता था, लेकिन ऐसा करने नहीं दिया गया।

इसरो ने चंद्रयान-4 के लिए लैंडिंग साइट तलाशी

चंद्रमा के साउथ पोल पर मॉन्स माउटन पहाड़ पर उतरेगा,मिट्टी और चट्टान के टुकड़े लाए जाएंगे...

बेंगलुरु,09 फरवरी 2026। इसरो ने चंद्रयान-4 मिशन के लिए चंद्रमा के साउथ पोल के पास एक लैंडिंग साइट तलाश ली है। चंद्रयान-2 ऑर्बिटर से मिली तस्वीरों के आधार पर वैज्ञानिकों ने मॉन्स माउटन (एमएम-4) क्षेत्र को लैंडिंग के लिए सबसे सही बताया है।

मॉन्स माउटन, चंद्रमा के साउथ पोल के पास स्थित करीब 6,000 मीटर ऊंचा पहाड़ है। इसकी चोटी काफी हद तक सपाट है, जो लैंडिंग के लिए अनुकूल है। हालांकि, लैंडिंग साइट को लेकर अंतिम फैसला लॉन्च के करीब लिया जाएगा। वैज्ञानिकों के मुताबिक यह इलाका इसलिए भी अहम है, क्योंकि यहां लंबे समय तक सूर्य की रोशनी मिलती है। इसके अलावा इस क्षेत्र में वॉटर आइस मौजूद होने की संभावना भी जताई जाती है।

चंद्रयान-2 की तस्वीरों से मिली मदद

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वैज्ञानिकों ने इस स्टडी को लूनर एंड प्लैनेटरी साइंस कॉन्फ्रेंस में पेश किया गया। लैंडिंग साइट तय करने के लिए चंद्रयान-2 ऑर्बिटर पर लगे ऑर्बिटर हाई रेजोल्यूशन कैमरे की तस्वीरों का इस्तेमाल किया गया। यह कैमरा चंद्र सतह को करीब 32 सेंटीमीटर प्रति पिक्सल के रेजोल्यूशन में दिखाता है। इससे छोटे क्रेटर,पत्थर, ढलान और सतह की बनावट साफ नजर आती है,जिससे लैंडिंग के लिए खतरनाक इलाकों की पहचान पहले ही हो जाती है।

एमएम-4 को लैंडिंग के लिए क्यों चुना गया : स्टडी में मॉन्स माउटन क्षेत्र की चार अलग-अलग लैंडिंग साइट्स का आकलन किया गया। इनमें एमएम-4 साइट को सबसे सुरक्षित माना गया। इस साइट पर औसतन ढलान करीब 5 डिग्री है, जबकि लैंडर 10 डिग्री तक के ढलान पर उतरने में सक्षम है। यहां बड़े पत्थर कम हैं और ज्यादातर बोल्डर 0.3 मीटर से छोटे पाए गए हैं, जिससे लैंडिंग का जोखिम कम हो जाता है। एमएम-4 साइट पर लगातार 11 से 12 दिन तक सूर्य की रोशनी मिलने की संभावना है।

संसद और दिल्ली के स्कूलों में बम की धमकी...मेल में लिखा-13 फरवरी को संसद में ब्लास्ट होगा,दिल्ली को खालिस्तान बना देंगे

नई दिल्ली,09 फरवरी 2026। राजधानी दिल्ली के 9 स्कूलों को सोमवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी भरे ई-मेल मिले। मेल में दावा किया गया कि 13 फरवरी को दोपहर 1.11 बजे संसद में ब्लास्ट होगा और दिल्ली को खालिस्तान बना देंगे। ईमेल में आतंकी अफजल गुरु और पंजाब को खालिस्तान बताने का भी जिक्र था।

धमकी के बाद स्कूलों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। दिल्ली फायर सर्विस के मुताबिक, सुबह अलग-अलग इलाकों के स्कूलों से इमरजेंसी कॉल आई। इसके बाद फायर टेंडर, बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड तुरंत मौके पर पहुंची। धमकी भरे ईमेल में लिखा- अफजल गुरु की याद में दिल्ली बनेगा खालिस्तान। 1:11 बजे पर धमाका होगा, 13 फरवरी को 1:11 बजे पर संसद में ब्लास्ट होगा। पंजाब खालिस्तान है। खालिस्तान नेशनल आर्मी। डीएफएस के एक अधिकारी ने कहा कि अब तक 9 स्कूलों ने बम की धमकी मिलने की सूचना दी है। सभी परिसरों की जांच की जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ईमेल की लोकेशन और सोर्स पता करने के लिए साइबर टीमें सक्रिय कर दी गई हैं। साथ ही राजधानी के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई।

परीक्षा पे चर्चा..मोदी बोले...टेक्नोलॉजी का गुलाम न बनें,तकनीक के जरिए क्षमता को करें विकसित

नई दिल्ली,09 फरवरी 2026। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को 'परीक्षा पे चर्चा' के 9वें एडिशन के दूसरे एपिसोड में देशभर से आए छात्रों से मुलाकात की। पीएम मोदी कोयंबटूर से छत्तीसगढ़ पहुंचे और बच्चों से बात की। इसके बाद पीएम गुवाहाटी के अष्टलक्ष्मी पहुंचे। पीएम ने कहा कि कभी भी टेक्नोलॉजी का गुलाम नहीं बनना चाहिए। टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल क्षमता बढ़ाने में करें। दूसरे एपिसोड में पीएम मोदी ने बच्चों को पढ़ने के साथ, लिखकर प्रैक्टिस करने की सलाह दी। साथ ही बच्चों से कहा कि पहले निडर बनो फिर लीडर बन जाओगे।

कमजोर क्लासमेट्स की मदद

पीएम ने छात्रों को पढ़ाई में कमजोर क्लासमेट्स की मदद करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि छात्रों को उनसे दोस्ती करनी चाहिए और उन्हें टॉपिक समझाने चाहिए। दूसरों को पढ़ाने से खुद भी बेहतर सीखने में मदद मिलती है।

परीक्षा के समय तनाव कैसे कम करें : आप पुरानी परीक्षा के दिनों को याद कीजिए। जब आप पुरानी परीक्षाओं को याद करेंगे, तो आपको लगेगा उस समय भी तनाव था, लेकिन जब वह परीक्षा देकर आ गया, तो कुछ नहीं था। ऐसा होता है ना। परीक्षा के लिए सबसे अच्छी चीज होती है कि आप पेपर सॉल्व करने की आदत डालें। लिखने की आदत डालें। अगर खुद आप इस तरह से प्रैक्टिस करते रहेंगे तो आपको कभी तनाव नहीं होगा। आप वेकेशन पर जा रहे हैं, तो पहले अपनी तहसील में देखें कहां जा सकते हैं, फिर जिला, फिर राज्य। कहने का मतलब ये है कि आप जहां भी घूमें एक स्टूडेंट की नजर से घूमें ताकि आप लगातार कुछ सीख सकें।

बंगाल एसआईआर मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त अंतिम मतदाता सूची जारी करने का समय बढ़ाया

नई दिल्ली,09 फरवरी 2026। पश्चिम बंगाल में इस साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करा रहा है। मतदाता सूची से जुड़ा यह विवाद सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। कोर्ट ने आज इस मामले में अहम दिशा-निर्देश दिए। चीफ जस्टिस ने एसआईआर की समयसीमा बढ़ाने का भी निर्देश दिया। सीजेआई सूर्यकांत की पीठ ने कहा कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की डेडलाइन एक सप्ताह और बढ़ाई जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा,निर्वाचन आयोग को पश्चिम बंगाल एसआईआर प्रक्रिया के बाद फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिश करने के लिए और समय दिया जा रहा है। एसआईआर की डेडलाइन 14 फरवरी से एक हफ्ते आगे बढ़ाई जा रही है। माइक्रो ऑब्जर्वर या राज्य सरकार के अधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारी केवल ईआरओ की सहायता करना होगी,क्योंकि अंतिम निर्णय ईआरओ का ही होगा।

मणिपुर के उखरुल में फिर भड़की हिंसा..21 घर जलाए

उपद्रवियों ने राइफलों से गोलीबारी भी की...शांति बहाली की कोशिश में जुटा प्रशासन

इंफाल,09 फरवरी 2026। पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर के उखरुल जिले में सोमवार दोपहर को एक बार फिर हिंसा भड़क गई। अधिकारियों ने बताया कि यह हिंसा तब भड़की जब कथित तौर पर हथियारबंद बदमाशों ने लिटन सरेखोंग गांव में कई घरों को आग लगा दी। इस दौरान हमलावरों ने हवा में गोलियां भी चलाईं। इस डर से ग्रामीण अपना जरूरी सामान लेकर पड़ोसी जिले कांगपोकपी के सुरक्षित इलाकों में चले गए हैं। कई तांगखुल ग्रामीणों ने भी अपना घर छोड़ दिया है। इस हिंसा की शुरुआत शनिवार रात को हुई थी। तब लिटन गांव में सात-आठ लोगों ने तांगखुल नागा समुदाय के एक व्यक्ति पर हमला किया था। हालांकि,पीड़ित पक्ष और गांव के मुखिया ने आपसी सहमति से मामला सुलझा लिया था। रविवार को इस पर एक बैठक होनी थी, लेकिन वह बैठक नहीं हो पाई। इसके बजाय, पास के सिकिबुंग गांव के लोगों ने लिटन सरेखोंग के मुखिया के घर पर हमला कर दिया। खबरों के मुताबिक, ग्रामीणों ने पुलिस स्टेशन के पास फायरिंग भी की। रविवार रात को दो समूहों के बीच जमकर पत्थरबाजी हुई, जिसके बाद प्रशासन ने पाबंदी लगा दी। इसके बाद आधी रात को तांगखुल नागा समुदाय के घरों में आग लगा दी गई। इसका आरोप कुकी उग्रवादियों पर लगा है। इसके बाद कुकी समुदाय के भी कुछ घर जलाए गए। राज्य मंत्री गोविंददास कोंथौजम ने बताया कि हालात बहुत तनावपूर्ण हैं। सोमवार सुबह तक 17 घर जले थे, लेकिन अब यह संख्या बढ़कर 21 हो गई है। उपमुख्यमंत्री एल डिखो मौके पर मौजूद हैं और लोगों से बात कर रहे हैं। शांति बहाल करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बल भेजे गए हैं।

लोगों से शांति बनाए रखने की अपील : शांति के लिए एक बड़ी बैठक भी हुई। इसमें तांगखुल नागा लॉन्ग,असम राइफल्स के अधिकारी,विधायक और कुकी समुदाय के प्रतिनिधि शामिल हुए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों पक्ष शांति चाहते हैं और हिंसा रुकनी चाहिए। उन्होंने इसे कुछ लोगों की शरारत बताया और इसे बड़ा रूप न देने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने घायलों से की मुलाकातः मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने अस्पताल जाकर घायलों का हाल जाना।

उन्होंने सभी समुदायों से शांति और भाईचारा बनाए रखने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थिति अब नियंत्रण में है और घायलों को पूरी मदद दी जाएगी।

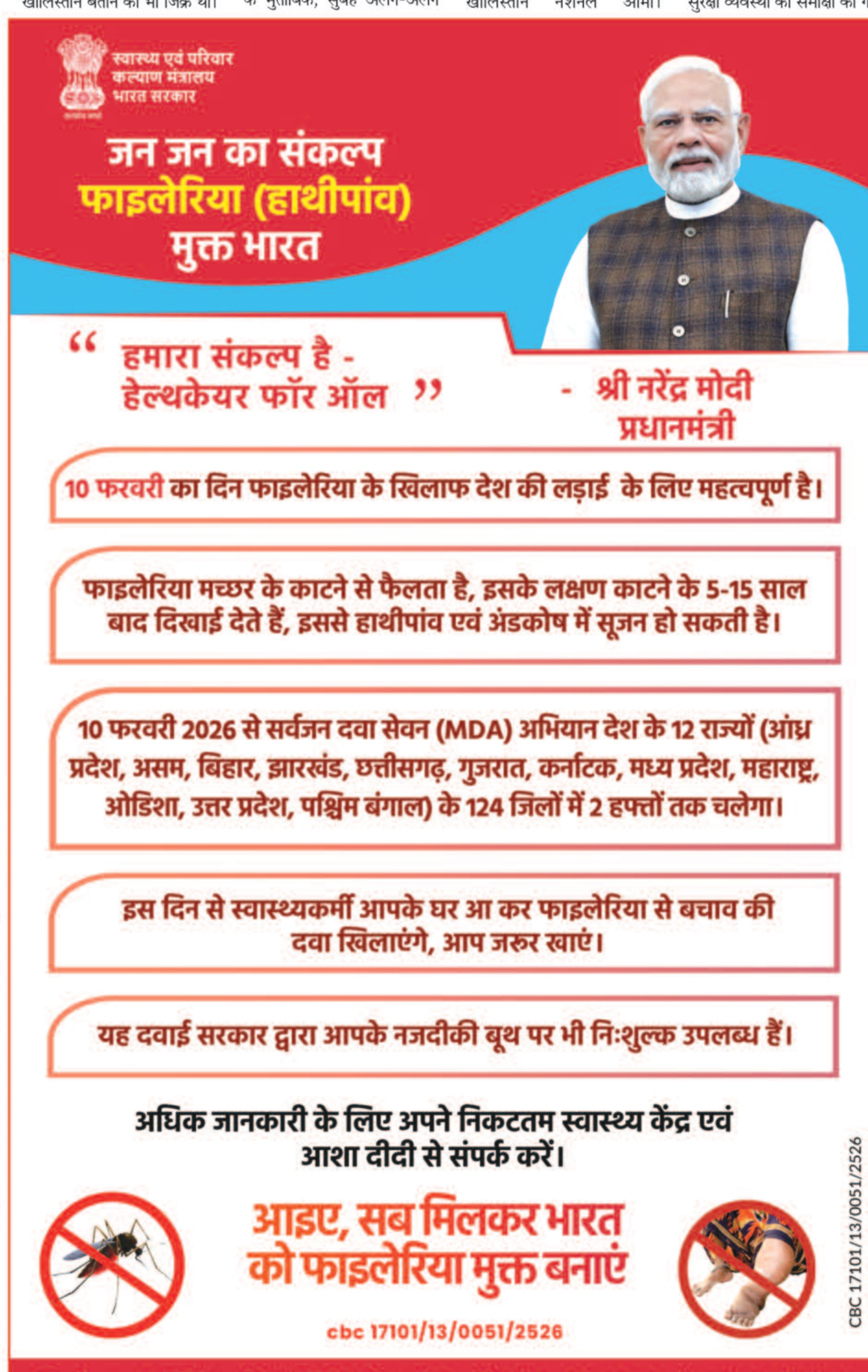

संपादकीय

वैश्विक आकर्षण का केंद्र बनता भारत

आर्थिक और ढांचागत सुधारों की गति बढ़ानी होगी...

उम्मीद है भारत-अमेरिका शीघ्र ही व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की दिशा में आगे बढ़ेंगे। इससे 2030 तक दोनों के बीच 500 अरब डालर के द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी। यह समझौता भारत के निर्यात और रोजगार सृजन में मील का पत्थर साबित हो सकता है तथा भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है...

हाल में भारत और अमेरिका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते के फ्रेमवर्क के तहत अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर टैरिफ 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया। टैरिफ में यह बड़ी कमी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकती है। इस समझौते से जहां कई क्षेत्रों में भारत से अमेरिका को निर्यात बढ़ेगा,वहीं भारत में अमेरिकी निवेश में भी वृद्धि होगी। साथ ही दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई दिशा मिलेगी। वैश्विक कंपनियां चीन के विकल्प के रूप में भारत में निवेश बढ़ाएंगी और भारत का निर्यात तेजी से बढ़ेगा। इससे भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिकी बनने की दिशा में और तेजी से बढ़ेगा। गत दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा भी कि अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ हुए व्यापार समझौते भारत की बढ़ती आर्थिक अहमियत के प्रतीक हैं।

नई वैश्विक व्यवस्था भारत की ओर झुकती दिखाई दे रही है। पहले कहा जाता था कि भारत अवसर गंवा देता है,लेकिन अब दुनिया का मानना है कि यदि वे तेजी से बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था से नहीं जुड़े, तो महत्वपूर्ण अवसर खो देंगे। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत का तेज आर्थिक विकास और महंगाई पर नियंत्रण एक दुर्लभ संयोजन है। मजबूत बुनियादी ढांचा,विशाल घरेलू बाजार, मध्यवर्ग की बढ़ती क्रयशक्ति, एमएसएमई की गति, ऊर्जा विकास,युवा शक्ति, डिजिटल प्रगति तथा मैन्यूफैक्चरिंग और सेवा क्षेत्र की ताकत ने भारत को दुनिया के लिए आकर्षक बना दिया है। इसी कारण विकसित देश भारत से द्विपक्षीय और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) कर रहे हैं।

भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के फ्रेमवर्क के अनुसार भारत मक्का,गेहूं,चावल,सोया,पोल्ट्री,दूध,पनीर,इथेनाल,तंबाकू,कुछ सब्जियों और मांस जैसे संवेदनशील कृषि एवं डेरी उत्पादों के मामले में पूरी तरह सुरक्षित है। यह समझौता भारत के टेक्सटाइल एवं परिधान,चमड़ा एवं फुटवियर,प्लास्टिक एवं रबर उत्पाद,आर्गेनिक केमिकल्स,होम डेकोर,हस्तशिल्प और चुनिंदा मशीनरी जैसे क्षेत्रों को अमेरिकी बाजार में बड़े अवसर देगा। इसके अलावा जेनेरिक दवाओं, रत्न-हीरे और एयरक्राफ्ट पार्ट्स सहित कई उत्पादों के निर्यात को गति मिलेगी।

विशेष रूप से एमएसएमई,किसानों और मछुआरों के लिए 30 ट्रिलियन डालर के अमेरिकी बाजार के द्वार खुलेंगे। निर्यात बढ़ने से महिलाओं और युवाओं के लिए रोजगार बढ़ेंगे। इस समझौते के तहत भारत अमेरिकी औद्योगिक और कृषि उत्पादों की बड़ी श्रृंखला पर टैरिफ घटाएगा या समाप्त करेगा तथा अगले पांच वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डालर के ऊर्जा उत्पाद,एयरक्राफ्ट एवं पार्ट्स,कीमती धातुएं, टेक्नोलाजी उत्पाद और कोकिंग कोल खरीदने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

अमेरिका भारत के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण बाजार है। वित्त वर्ष 2024-25 में दोनों देशों के बीच 131.84 अरब डालर का व्यापार हुआ, जिसमें भारत का निर्यात 86.51 अरब डालर और आयात 45.33 अरब डालर रहा। वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से दिसंबर के बीच भारत ने अमेरिका को 65.88 अरब डालर का निर्यात किया। 18 प्रतिशत टैरिफ भारत को चीन-प्लस-वन रणनीति के स्वाभाविक विकल्प के रूप में और मजबूत करता है। वर्तमान में अमेरिका ने ब्राजील पर 50 प्रतिशत,चीन पर 34 प्रतिशत,वियतनाम और बांग्लादेश पर 20 प्रतिशत तथा मलेशिया, इंडोनेशिया, पाकिस्तान और थाइलैंड पर 19 प्रतिशत टैरिफ लगाया हुआ है। ऐसे में भारत-अमेरिका समझौता वैश्विक बाजार में भारत की स्थिति को और मजबूत करेगा।

पिछले दिनों हुआ भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता दुनिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच तालमेल का महत्वपूर्ण उदाहरण है। इससे दो अरब लोगों का साझा बाजार बनेगा,जो वैश्विक जीडीपी के लगभग एक चौथाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करेगा। बीते वर्ष ब्रिटेन,ओमान और न्यूजीलैंड के साथ हुए एफटीए का इस साल कार्यान्वयन महत्वपूर्ण होगा। साथ ही मारीशस,यूएई, आस्ट्रेलिया और यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (आइसलैंड,स्विट्जरलैंड,नार्वे और लिकटेंस्टाइन) के साथ लागू एफटीए के लाभ भी बढ़ेंगे। इस वर्ष पेरू, चिली,आसियान,मेक्सिको,कनाडा,दक्षिण अफ्रीका,इजरायल और गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य देशों के साथ नए एफटीए हो सकते हैं।

इन समझौतों का पूरा लाभ उठाने के लिए भारत को आर्थिक सुधारों और घरेलू ढांचागत बदलावों की गति बढ़ानी होगी। नियमों और नियामक संस्थाओं के कामकाज में सुधार,कर सुधारों को गहराई देना और जीएसटी को अधिक प्रभावी बनाना आवश्यक है। घरेलू कंपनियों को गुणवत्ता,तकनीक और कुशल मानव संसाधन पर ध्यान देना होगा। साथ ही प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने,गैर-टैरिफ बाधाएं कम करने,सेवा क्षेत्र का लाभ उठाने,निर्यात विविधीकरण,कृषि सुरक्षा तथा पर्यावरण और श्रम मानकों के पालन पर विशेष ध्यान देना होगा।

उम्मीद है भारत-अमेरिका शीघ्र ही व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की दिशा में आगे बढ़ेंगे। इससे 2030 तक दोनों के बीच 500 अरब डालर के द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी। यह समझौता भारत के निर्यात और रोजगार सृजन में मील का पत्थर साबित हो सकता है तथा भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

घर-आंगन में बिखरती रहे दाल की खुशबू

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा,उत्तरप्रदेश

यही कोई दस साल पहले की बात होगी। मुझे सह-समन्वयक (हिंदी भाषा) के पद पर काम करते हुए तीन साल हो चुके थे। प्राथमिक शिक्षा की बेहतरी के लिए मन में बहुत उत्साह था। लगभग प्रतिदिन ही किसी न किसी विद्यालय में जाना होता था। बच्चों,शिक्षकों, अभिभावकों,प्रबंध समिति के सदस्यों और गांव के आम निवासियों से विद्यालय विकास की बातचीत करता, सहयोग हेतु प्रेरित करता। परिणाम भी आने लगे थे,एक अच्छा शैक्षिक माहौल बन गया था। ये सब करते हुए कुछ ग्रामवासियों से स्नेह,मधुरता एवं आत्मीयता के स्वाभाविक सम्बन्ध भी विकसित हुए और शादी-विवाह एवं जन्म-मरण के अवसरों पर मेरी उपस्थिति होने लगी थी। सामाजिक रिश्ते की यह डोर भावना के रस से भींगी हुई थी। एक दिन शाम को एक गांव से फोन आया,सर! कल आप स्कूल आ रहे हैं न। आपका भोजन हमारे साथ होगा। दाल,बाटी,चोखा, रायता रहेगा सर। वह गांव के एक बुजुर्ग व्यक्ति थे और एक ही सांस में पूरी बात कह गये। मुझे हां कहना ही था। वह विद्यालय एक मजरे में आबादी के बाहर एक बगीचे के निकट स्थित प्राथमिक स्कूल था। वह बुजुर्ग व्यक्ति उसी बगीचे में सपरिवार रहते थे। विद्यालय के सहयोग हेतु सदैव तत्पर,वह एक संवेदनशील सहयोगी व्यक्ति थे।

मैं जब विद्यालय पहुंचा तो वह वहीं उपस्थित थे। विद्यालय का संक्षिप्त कार्यक्रम पूरा कर अन्य शिक्षकों के साथ हम लोग बाग पहुंचे। वहां दो-तीन लोग भोजन की तैयारी में जुटे थे। उपलों की आग पर भुन रहे आलू-बैंगन की सोंधी महक ने मन मोह लिया। ईंटों के चूल्हे पर मिट्टी के घड़े में मिक्स दाल (अरहर,चना,मूंग,उड़द,मसूर) खदबदा रही थी,और एक आदमी करछुल से दाल का छाग बाहर करता जा रहा था। दाल पकने के बाद उसमें लाल साबुत मिर्च,जीरा,हींग,तेजपत्ता,डोंडा एवं लौंग को सरसों के तेल में तड़का कर छौंका लगाया गया,तो खुशबू पूरे बगीचे में फैल गयी और स्वाद मुंह में उतर आया। प्रेम पूर्वक भोजन कर हम विदा हुए।

पाठक सोच रहे होंगे कि दाल विषयक लेख के आरम्भ में उपर्युक्त प्रसंग मैंने क्यों लिखा। दरअसल मैं बताना चाह रहा हूं कि दाल के बिना हमारा भोजन बेस्वाद नीरस और अपूर्ण है। दाल ही है जो भोजन की थाली के सौंदर्य,स्वाद,संतुष्टि और पोषण-संतुलन को संभालती एवं वृद्धि करती है। दाल के बिना स्वस्थ शरीर की कल्पना नहीं की जा सकती क्योंकि दालें मानव शरीर के लिए अत्यावश्यक प्रोटीन का उत्कृष्ट स्रोत एवं संसाधन हैं,साथ ही फाइबर, खनिज एवं विटामिन का भी। एक स्वस्थ वयस्क व्यक्ति के लिए प्रति किलोग्राम वजन हेतु 0.8 से 1.7 ग्राम प्रोटीन की जरूरत प्रतिदिन पड़ती है। मोटे तौर पर कहें तो न्यूनतम 50-60 ग्राम प्रोटीन प्रतिदिन आवश्यक है। प्रोटीन न केवल शरीर के विकास के लिए एक जरूरी तत्व है बल्कि वह देह के अंदरूनी अंगों की मरम्मत का काम भी करता है। एंजाइम एवं हार्मोन के उत्पादन में सहयोग, मांसपेशियों, त्वचा, हड्डी,बाल,नाखून आदि के साथ शरीर के ऊतकों का निर्माण करता है। शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को सबल करता है। कार्बोहाइड्रेट की कमी हो जाने पर ऊर्जा की आपूर्ति एवं पोषक तत्वों के परिवहन में सहायक है। इतना ही नहीं,शरीर के पीएच मान के संतुलन को भी बनाये रखता है। कह सकते हैं कि प्रोटीन मानव शरीर का सुपर हीरो हैं और दालें सुपर फूड। इसीलिए दालों के महत्व से परिचित कराने, टिकाऊ खेती में दालों की भूमिका के बारे में जागरूकता का प्रसार करने तथा मिट्टी का स्वास्थ्य सुधारने में दालों के योगदान से जन सामान्य को रू-ब-रू कराने हेतु संयुक्त राष्ट्र संघ की संस्था खाद्य एवं कृषि संगठन द्वारा प्रतिवर्ष 10 फरवरी को जागतिक आयोजन किया जाता है। उल्लेखनीय है कि खाद्य एवं खाद्य संगठन ने वर्ष 2016 में अंतरराष्ट्रीय दलहन वर्ष मनाया था,और एक नारा दिया था - स्वस्थ आहार और ग्रह के लिए दलहन से प्यार करें। उस आयोजन से प्राप्त निष्कर्ष, प्रेरणा एवं ऊर्जा से खाद्य एवं कृषि संगठन की पहल पर दिसम्बर 2018 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 10 फरवरी को विश्व दाल दिवस के रूप में मनाते हुए मानव शरीर,मिट्टी एवं पर्यावरण में दालों की योगदान से परिचित कराने हेतु घोषित किया था।

तब पहला आयोजन 10 फरवरी, 2019 को किया गया। प्रत्येक वर्ष आयोजनों हेतु एक थीम निर्धारित की जाती है। वर्ष 2026 की थीम हैः- विश्व की दलहन सादगी से उत्कृष्टता की ओर, जबकि वर्ष 2025 की थीम थी- दलहन कृषि खाद्य प्रणालियों में विविधता लाना। थीम से आयोजनों को दिशा मिलती है और प्रेरणा भी।

भारत दालों के उत्पादन में अग्रणी है। विश्व के कुल दाल उत्पादन में भारत का हिस्सा 25-30 प्रतिशत है। गतवर्ष भारत में 28 मीट्रिक टन दालों का उत्पादन हुआ। दाल उत्पादन में सिरमौर होने के बावजूद भारत विश्व का सबसे बड़ा दाल आयातक देश भी है, क्योंकि दाल के उपभोग में भी सर्वोपरि है। भारत में सर्वाधिक दाल उत्पादन के राज्य मध्यप्रदेश,महाराष्ट्र,उत्तरप्रदेश,राजस्थान और आंध्रप्रदेश हैं। जबकि विश्व में भारत के बाद कनाडा,म्यांमार,चीन, आस्ट्रेलिया और रूस प्रमुख दाल उत्पादक देश हैं। विश्व के लगभग 170 देश कुल 9.6 मिलियन हेक्टेयर भूमि में विभिन्न प्रकार की दालें उगाते हैं। खाद्य एवं कृषि संगठन ने चना, मसूर,अरहर, मूंग,उड़द,मटर,लोबिया,सेम प्रजाति की फलियों सहित 11 प्रकार की दालों को मान्यता दी है। चना को दालों का राजा तो मूंग को दालों की रानी कहा जाता है। भारत में कुल दाल उत्पादन में 40 प्रतिशत हिस्सा चना दाल का है। चना दाल का उपयोग भोजन के अलावा मिठाई,बेसन और नमकीन बनाने में किया जाता है। शादी-विवाह, तिथि-त्योहारों एवं शुभ अवसरों पर चने की दाल रांधने की परम्परा है। रोगियों के पथ्य के रूप में मूंग की दाल और उससे बनी खिचड़ी दी जाती है तथा मूंग की दाल का हलुवा और पराठे का स्वाद जीभ पर सालों बस रहता है तथा अदरक,मिर्च,धनिया पत्ती,लहसुन की टमाटर वाली चटनी के साथ जाड़ों में मुंगौड़े खाने का अलौकिक आनंद है। उड़द की दाल शक्तिवर्धक होती है, किंतु गरिष्ठ और बादी भी। लेकिन कुरकुरी-करारी स्वादिष्ट कचौड़ियां तो उड़द की दाल की ही बनती हैं और बड़े-भल्ले भी, और तब छुहारे,इमली,गुड़ की चटनी के साथ खाने वालों का पेट भर सकता है मन नहीं। अरहर की दाल दैनंदिन भोजन की थाली की शोभा है। इन दालों का अपना गुण-धर्म होता है,शरीर के लिए सुपाच्य,स्वादिष्ट एवं पोषक बनाने हेतु तड़का लगाना आवश्यक होता है जो हर दाल के लिए अलग-अलग होता है। अरहर की दाल में जीरा,मूंग में डोंडा और लौंग,उड़द में हींग और अदरक, मसूर में हींग और राई तथा चना में हींग का छौंक लगाने से स्वाद और सुगंध में वृद्धि होती है। प्याज,लहसुन,करीपत्ता, तेजपत्ता,साबुत लाल मिर्च, दही,टमाटर आदि डालकर अलग प्रकार से छौंक भी लगा सकते हैं। कल्पना से दालों के विभिन्न व्यंजन आज परोसे जा रहे हैं। मानव शरीर के लिए उपयोगी दाल की सुगंध हमारे घर-आंगन में बसी रहे, दालों का स्वाद मुंह में घुलता रहे,यही कामना है।

खेजड़ी कटेगी तो थार सूखेगा

डॉ. सत्यवान सौरभ
भिवानी,हरियाणा

राजस्थान का थार मरुस्थल केवल रेत का विस्तार नहीं है,बल्कि यह एक जटिल और संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र है, जिसकी जीवनरेखा खेजड़ी जैसे देशज वृक्षों से जुड़ी है। हाल के वर्षों में पश्चिमी राजस्थान–विशेषकर जोधपुर,बाड़मेर, नागौर और बीकानेर–में सौर ऊर्जा परियोजनाओं के तीव्र विस्तार ने इस पारिस्थितिकी को गंभीर संकट में डाल दिया है। इसी पृष्ठभूमि में उभरा खेजड़ी बचाओ आंदोलन केवल एक स्थानीय विरोध नहीं रह गया,बल्कि यह विकास के मौजूदा मॉडल,पर्यावरणीय न्याय और लोकतांत्रिक भागीदारी पर एक व्यापक और गहन बहस को जन्म देता है।

खेजड़ी को राजस्थान का राज्य वृक्ष घोषित किया जाना केवल प्रतीकात्मक नहीं था। यह वृक्ष थार की शुष्क और कठोर जलवायु में जल संरक्षण, मिट्टी की उर्वरता,पशुपालन आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था और जैव विविधता का आधार रहा है। इसकी फलियाँ पशुओं के लिए पोषक चारे का कार्य करती हैं, पत्तियाँ हरित आहार प्रदान करती हैं और इसकी गहरी जड़ें भूजल को थामे रखती हैं। मरुस्थलीय समाज की लोकसंस्कृति में खेजड़ी केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं,बल्कि जीवन और सम्मान का प्रतीक है, जिसे लोकवाणी में कहा गया– **सिर साटै रूख रहे,तो भी सस्तो जाण।** ऐसे वृक्षों का बड़े पैमाने पर कटना केवल पर्यावरणीय क्षति नहीं, बल्कि सदियों से चले आ रहे मानव और प्रकृति के सहजीवन को तोड़ने जैसा है।

भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की महत्वाकांक्षा के साथ सौर ऊर्जा को विकास की धुरी बनाया है। राजस्थान को उसकी भौगोलिक स्थिति के कारण सोलर हब के रूप में विकसित किया जा रहा है और राज्य सरकार लगभग 90 गीगावाट सौर ऊर्जा लक्ष्य का पीछा कर रही है। किंतु यह प्रश्न अनिवार्य हो जाता है कि क्या हरित ऊर्जा का

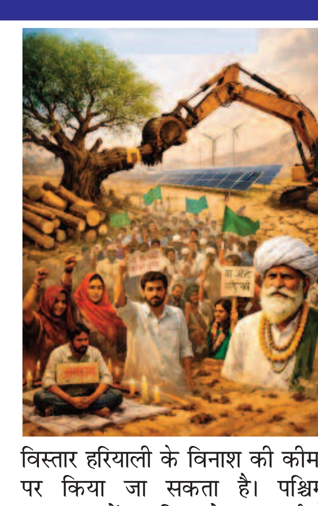

विस्तार हरियाली के विनाश की कीमत पर किया जा सकता है। पश्चिमी राजस्थान में स्थापित सोलर पार्क्स के लिए बड़े पैमाने पर भूमि अधिग्रहण हुआ है, जिसमें खेजड़ी जैसे संरक्षित वृक्षों की रातोंरात कटाई की गई। अनेक मामलों में पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन या तो किया ही नहीं गया,या उसे महज़ औपचारिक प्रक्रिया बनाकर छोड़ दिया गया। इसके परिणामस्वरूप पारंपरिक चरागाह भूमि नष्ट हुई, पशुपालकों की आजीविका प्रभावित हुई और मरुस्थलीय क्षेत्र में मिट्टी क्षरण की प्रक्रिया और तेज़ हो गई। यह स्थिति सतत विकास की उस अवधारणा से सीधा टकराव है,जिसमें ऊर्जा सुरक्षा,पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक न्याय को समान रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है। खेजड़ी बचाओ आंदोलन इसी विरोधाभास को उजागर करता है। यह आंदोलन 2024 में स्थानीय स्तर पर उभरा,किंतु 2026 तक आते-आते एक संगठित जनांदोलन का स्वरूप ले चुका है। 2 फरवरी 2026 को बीकानेर के पॉलिटेक्निकल कॉलेज में आयोजित महापड़ाव इस संघर्ष का निर्णायक क्षण सिद्ध हुआ। बाज़ार बंद रहे,शैक्षणिक संस्थानों में अवकाश घोषित हुआ और हज़ारों की संख्या में लोग–संत, साधु,महिलाएँ और युवा–एक साझा मंच पर एकत्र हुए। यह दृश्य स्पष्ट करता है कि यह संघर्ष केवल किसी एक समुदाय का नहीं,बल्कि व्यापक सामाजिक सरोकार का विषय बन चुका है। आंदोलन के संयोजकों ने सरकार के समक्ष यह स्पष्ट चेतावनी रखी कि यदि राज्य स्तर पर सख्त वृक्ष संरक्षण कानून नहीं लाया गया,तो आंदोलन और तीव्र होगा। क्रमिक अनशन,कैंडल मार्च और कलेक्ट्रेट घेराव जैसे शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक उपायों के माध्यम से सरकार पर दबाव बनाया गया। 4 फरवरी तक सैकड़ों अनशनकारी दर्ज किए गए,जिनमें महिलाओं की उल्लेखनीय भागीदारी इस आंदोलन को नैतिक और सामाजिक शक्ति प्रदान करती है। मातृशक्ति की यह भागीदारी केवल विरोध का प्रतीक नहीं,बल्कि ग्रामीण आजीविका,लोकसंस्कृति और भविष्य की पीढ़ियों की चिंता को भी व्यक्त करती है।

यह आंदोलन बिश्नोई समाज की उस ऐतिहासिक चेतना से गहराई से जुड़ा है, जिसकी जड़ें 1730 के खेजड़ली कांड में मिलती हैं। अमृता देवी बिश्नोई और उनके साथ 363 लोगों द्वारा खेजड़ी के संरक्षण के लिए दिया गया बलिदान विश्व इतिहास में पर्यावरण रक्षा का प्रथम संगठित उदाहरण माना जाता है। लगभग तीन सौ वर्ष बाद उसी भूमि पर खड़ा यह आंदोलन ऐतिहासिक स्मृति और वर्तमान संघर्ष को जोड़ता है। यह निरंतरता आंदोलन को केवल भावनात्मक नहीं,बल्कि नैतिक वैधता भी प्रदान करती है,जो इसे सामान्य पर्यावरणीय विरोध से अलग बनाती है।

राजस्थान सरकार ने खेजड़ी को राज्य वृक्ष घोषित किया है,किंतु इसके संरक्षण के लिए प्रभावी और बाध्यकारी कानूनी ढांचे का अभाव लंबे समय से महसूस किया जा रहा है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण और सर्वोच्च न्यायालय द्वारा वृक्ष संरक्षण को लेकर दिए गए निर्देशों के बावजूद ज़मीनी स्तर पर उनका अनुपालन कमजोर रहा है।

धरती पर प्रकृति के सुरक्षा कवच हैं वृक्ष

आत्माराम यादव पीव
नर्मदापुरम मध्यप्रदेश

होली पर इनका विनाश रोकना आवश्यक

आज हमें प्रकृति की आवश्यकता है, प्रकृति का सुरक्षा कवच वनक्षेत्र है, वनों की पहचान वहाँ उगने वाले वृक्षों से है ओर यही वृक्ष हमारे पर्यावरण के लिए हमे जीवांदायिनी वायु प्रदान कर हमारी सुरक्षा के कवच बने हुये है। हम परंपरागत होली का पर्व मनाने के लिए हर साल लाखों वृक्षों का विनाश कर विध्न सुरक्षा में खुद ही सेंध लगाकर अपने खुद के लिए भस्मासुर बने हुये है। आवश्यकता है जल के साथ वनों की सुरक्षा करने की ताकि इन्सान अपनी सुरक्षा हेतु विभिन्न पर्यावरण के साधनों की सुरक्षा का आवरण धारण कर न केवल प्रकृति बल्कि वनों पहो ों में निवास करने वाले समस्त जीवों के लिये वरदान साबित हो सके। वन प्रदेश के आसपास के नगरों सहित उनके अंचल के बसे गांवों में होली पर जिस प्रकार लाखों वृक्षों को होलिकादहन में आहुती दे रहे है ओर उसी परंपरा को पागलपन तक हठधर्मिता से अपनाने वाले शहरी भी अपने आसपास के पेड़-पौधों को होली में झोकने के लिए पर्यावरण के आवरण का ध्वस्त कर रहे है वह एक विचारणीय प्रश्न है जिसपर प्रतिबंध लगाने हेतु समाज को सजगता के साथ पहल कर रोकना होगा वरना हम प्रकृति के सम्मान में पूरे विश्व में पर्यावरण दिवस के रूप में 5 जून का महोत्सव की ओपचारिकता का निर्वहन कर खुद प्रकृति की तरह तिल तिल झुलसने को विवश होंगे।

वन प्रकृति के लिये सुरक्षा कवच का ही नहीं अपूर्ति श्रृंगार का भी कार्य करते है। वन में हरे-भरे वृक्ष लतायें, झाडियॉ फल और फूल होते हे वे निवास स्थान होते है। भोरों,नाचती गाती तिलियॉ,पशु पक्षियों का मानव जाति की रक्षा करने वाली अमूल्य संपदा ये वन ही होते है। वृक्ष की महत्ता आदि काल से ही भारतीय संस्कृति और सभ्यता में पूजनीय रही है कुछ वृक्ष जैसे नीम,पीपल,अशोक ये न केवल शुद्ध आक्सीजन का स्त्रोत है बल्कि ये वृक्ष सदियों से मानव जाति के लिये पूजनीय रहे हे। वृक्ष मूल रूप से मिट्टी के रक्षक है, वे न केवल आँधियों के तीव्र वेग को रोकते है वे मिट्टी को उड़ने से बचाते है। वृक्ष की जड़े पर्वतों की चट्टानों को मजबूती से पकड़े रहती है जिससे मिट्टी की सुरक्षा होती है और मिट्टी का वो उपजाऊ भाग जो ऊपरी परत के रूप में जाना जाता है संरक्षित रहता है। हवा की शुद्धता,शीतल इन्हीं पेड़ पौधों और वृक्ष होती है। वृक्ष ही वर्षा के होने या न होने के लिये जिम्मेदार है। जहॉ-जहॉ वृक्षों व वनों को असीमित रूप से काट दिया गया है वहां वर्षा होना ही रूक गयी है,ये वर्षा ही फसल के लिये आवश्यक है इससे मनुष्य जीवित रहता है। वातावरण को अस्वच्छ हवा को शुद्ध करने का काम भी प्रकृति के ये वन ही करते है, यदि निजी स्तर पर भी प्रत्येक व्यक्ति प्रदूषण कम करने पर कन्धे से कन्धा मिलाकर संकल्प ले ले कि वह न प्रदूषण फैलायेगा न ही किसी को फैलाने देगा तो पर्यावरण के लिये वरदान होगा ये संकल्प आज सभी के लेने कि आवश्यकता है।

देखा जाये तो सदियों से हमारे पूर्वजों के प्रयासों से प्रकृति से उनकी

घनिष्ठता रही है और वे प्रकृति को संतुलित पर्यावरण कायम रखे जाने हेतु सभी प्राणियों के समुचित विकास के लिये पर्याप्त प्राकृतिक संसाधन...शुद्ध,जल,वायु,भौतिक सुख सुविधा सम्पन्न जैवित गुणों से युक्त धरती,वन सम्पना आदि प्रकृति की ऐसी देन है जिससे यह धरती प्राणियों के रहने योग्य बनी हुई है। जब तक मनुष्य ने प्रकृति के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं की तब तक यह वसुंधरा भी स्वर्गादपि गरीयसी बनी रही लेकिन जैसे ही मनुष्य ने प्राकृतिक संसाधनों का अविवेकशील दोहन करना प्रारम्भ किया। विकास के नाम पर प्रकृति से छेड़छाड़ प्रारम्भ की। आर्थिक और सामाजिक वर्जनाओं की उपेक्षा की उसी समय से विनाश प्रारम्भ हो गया सच तो यह है कि जलवायु अथवा भूमि के भौतिक गुणों को हानि पहुचाने वाले प्रयासों ने ही पर्यावरण को सबसे अधिक प्रदूषित किया है ओर आज प्रगति और विकास के नाम पर हमने जिस प्रकृति का विनाश कर उसके दुष्परिणाम का स्वाद अति वृष्टि, अतिगर्मी, अतिसर्दी अर्थात मौसम के चक्र को बदल इंसानियत को नष्ट करने के लिए कहीं भूकम्प तो कहीं विनाशकारी बाढ़,कहीं भयानक सूखे तो कहीं कैसर और कही कोरोना जैसे जान लेवा रोगों को आमंत्रित कर मनुष्यता पर गहरा संकट खड़ा कर लाखों जीवनहंता बने हुये है।

आज भारत ही नहीं अपितु समूचा विश्व अरबों रुपए प्रकृति को प्रदूषण से बचाने के लिये खर्च कर अपने अपने देश के वायुमण्डल में आक्सीजन व कार्बनडायआक्साइड का संतुलन बनाने जुटे है ताकि आज की बढ़ती जनसॅख्या के कारण जल, वायु इत्यादि समस्त प्राकृतिक संसाधनों की कमी से निपटते हुये प्रकृति को बचाया जा सके। सरकारे प्रतिदिन वृक्षारोपण के साथ हर जिलों में करो ों पौधे लगाने की आवश्यकता पर काम कर रही है, हमारे नर्मदापुरम संभाग में भी 7 करोड़ पौधरोपन हौआ किन्तु वह जमीन पर दिखा नहींम संभवतया आपके जिले में प्रदेश में भी यही परिणाम रहे हो या धरती के प्रति आपकी निष्ठा ने ईमानदारी रही हो तो आपके यहा की धरती अवश्य ही हरे-भरे वृक्षों से लहलहा रही हो। जिस प्रकार बूंद-बूंद से एक घड़ा भर जाता है उसी प्रकार यदि प्रत्येक मनुष्य अपने सम्पूर्ण जीवन में एक वृक्ष लगाने तथा उसे बड़ा होने तक सुरक्षित रखने का कार्य करे तो सरकारी खजाने से इस अपव्यय को रोका जाकर उसे मानवीय मूल्यों से जोड़ा जाकर पर्यावरण के साथ प्रकृति के उपकार के बदले मिलने वाली आक्सीजन का ऋण चुकाया जा सकता है ओर आपका यह प्रयास पृथ्वी को हरा भरा रखने के लिये पर्याप्त तो होगा ही वही होली जैसे पर्वो पर इनसे बचाव कर लकड़ी के स्थान पर कंडों/ गाय के गोबर के उपलों को होली जलाकर पेड़ों को जीवन दिया जा सकता है।

आधुनिकता के नाम पर हम सुविधा के जिस यांत्रिक व्यवस्था के गुलाम हो गए है वे सभी डीजल-पेट्रोल व गैस जैसे ईंधनों से चलने वाले साधन है। वाहनों से कार्बनडाय आक्साइड,सल्फर डायआक्साइड, नाईट्रोजन कार्बनमोनो आक्साइड जैसी विषेली गैसे इन्डस्ट्रीज से निकलने वाला जहरीला प्रदूषण और ऊपर से ईंधन व अन्य सूक्ष्म लाभों के लिये मनुष्य हरे-भरे जंगलों को अंधा होकर काटता चला जा रहा है, परिणाम ये है कि प्रकृति का तापमान सामान्य से अधिक होता जा रहा है और बाढ़-सूखा,भूचाल जेसे अप्राकृतिक घटनायें इस प्रकार घटित होती है कि मानों प्रकृति अपना क्रोध प्रकट कर रही हो और लाखों करोड़ों की सॅख्या में मनुष्य काल ग्रस्त हो रहे है,भुज का भयंकर भूचाल उत्तराचंल केदारनाथ की बाढ़, सहित आने वाली कई सुनामी जिससे शहर के शहर तबाह हो गए ओर यह विनाश साल दर साल समूचे देश के किसी न किसी शहर की आपदा के रूप में दिख रहा है, मुंबई बाढ़ की चपेट में विनाश के लिए मिटने को तत्पर है वही देश के हर प्रदेश में इस प्रकार के हालत देखे जा सकते है, रही सही कसर को भूकम्प की विभीषिका नष्ट कर प्रकृति से मानव की छेड़छाड़ की चेतावनी है।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

कविता

जब जब अपने गुरु के चरणों में...

गरिमा राकेश गर्विता
राजस्थान

मोक्ष पा जाने वाली आत्मा को
वैसा ही सुकून मिलता होगा जैसा
माँ की गोद में आँचल की छाया में
निश्चिन्त निर्लिप्त सोये शिशु को मिलता हैं।
या फिर.......
मोक्ष पाने वाली आत्मा,
वैसा ही सुख पाती होगी ,
जैसा दो तीन दिन से
प्रसव पीड़ा को सहकर
एक माँ अपने शिशु का मुख
देखकर पाती हैं या फिर......
मोक्ष पाने वाली आत्मा
वैसे ही निश्चित हो जाती होगी
जैसे एक डरी -सहमी सी ,
छोटी सी बच्ची अपने पिता की बाहों में
सिमट खुद को सुरक्षित पाती हैं।
या फिर....
मोक्ष पाने वाली आत्मा
वैसी ही खुशी पाती होगी
जैसे अँधियारे में भटक रहा
एक प्राण गुरु का आशीर्वाद
पाकर अपनी मंजिल पाता है ।
और मैं वैसा ही सुकून,सुख,खुशी
मंजिल पाती हूँ, जब जब अपने गुरु के
चरणों में शीश झुकाती हूँ ।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा सरगुजा के नव नियुक्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों की सूची जारी

जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया की सहमति से एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष महेंद्र रवि ने की घोषणा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

सरगुजा भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया की सहमति से भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा सरगुजा के जिलाध्यक्ष महेंद्र रवि द्वारा अजा मोर्चा के नव नियुक्त जिला पदाधिकारी, जिला कार्यसमिति सदस्य एवं स्थायी आमंत्रित सदस्यों की सूची जारी की गई।

यह सूची संकल्प भवन, भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जारी की गई। इस अवसर पर जिला महामंत्री विनोद हर्ष एवं श्रीमती अरुणा सिंह, संवाद प्रमुख रूपेश दुबे, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एससी मोर्चा अवधेश सोनकर, निलेश सिंह, संतोष दास सहित अन्य कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। नव पदाधिकारियों में उपाध्यक्ष पद पर विनोद सारथी, चंद्रप्रकाश सोनवानी,कुसुमकांत,सुरेश सोनकर एवं महादेव सोनवानी, महामंत्री पद पर आर.डी. चौहान एवं बबली नेताम,मंत्री पद पर श्रीमती सीमा कश्यप,निरेंद्र सारथी,प्रकाश गढ़वारी,शंकर राम रवि एवं रवि शंकर नायक, कोषाध्यक्ष पद पर प्रवीन नामदेव,सह-कोषाध्यक्ष पद पर अनिल सारथी,कार्यालय मंत्री पद पर नेहा सोनवानी,सह-कार्यालय मंत्री पद पर राजकुमार सारथी,मीडिया प्रभारी गौतम रवि, सोशल मीडिया प्रभारी अजीत कुमार चौधरी एवं मन की बात प्रभारी परमेश्वर सारथी बनाये गए। जिला कार्यसमिति सदस्य में मंजु कटघर, क्रांति सोनकर,महेन्द्र पासवान,प्रकाश झारिया, बबलु रवि,जोगेश्वर इन्द्रवार,भीखम गहिरवार, यशोदा सोनवानी,नरेश सारथी,मनमोहन मिर्ज, अजय रवि,मासूम सेमरिया,नंद राम,सुमक नायक,रोशन नायक,भोट राम,लुनन मिर्ज, देवनारायण सारथी,मंत्री सारथी,छगपाल मिर्ज, सुरेश मिर्ज, शीला रवि, रामदयाल चौहान, शिवभूषण सोनवानी,तामेश्वर चौधरी, विवेकानंद सोनवानी, भगत चौहान, धीरन रवि एवं राज बसोर, राजू कुमार, मोहन लाल, संजय रवि और केते सारथी को शामिल किया गया है।

इस प्रकार स्थायी आमंत्रित सदस्यों में भारत सिंह सिसोदिया, अवधेश सोनकर, नकुल सोनकर, जीवबंधन सोनवानी, राधा रवि, ध्रुव रवि, अशोक सोनवानी, राकेश दिवाकर एवं वर्षा सोनवानी हैं। इस प्रकार अनुसूचित जाति मोर्चा मंडल अध्यक्षों में महामाया मंडल के अजय सारथी, समलाया मंडल के पिंटू सोनकर, अम्बिकापुर ग्रामीण मंडल के जागेश्वर इन्दवार, लखनपुर मंडल के दीपक सारथी, देवगढ़ मंडल के रोशन अनंत, रामगढ़ मंडल के सुखसाय सारथी, लुंड्रा मंडल के महावीर रवि, धौरपुर मंडल के चुन्नूलाल रवि, परसा मंडल के परमेश्वर सारथी, दरिमा मंडल के सुरेन्द्र नायक, कुन्नी मंडल के पिंटू सोनवानी, सीतापुर मंडल के विवेक चौहान, बतौली मंडल के ओम प्रकाश सोनवानी, राजापुर मंडल के अकबर वर्मा, मैनपाट मंडल के ईश्वर चौधरी, एवं नवानगर मंडल के रामगोपाल सारथी मंडल अध्यक्ष बनाये गए।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने नव नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने में अनुसूचित जाति मोर्चा की महत्वपूर्ण भूमिका है, नवगठित टीम संगठनात्मक कार्यों को और अधिक गति देगी। अंत में सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों के उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की गई

डीआईजी-एसएसपी ने थाना प्रभारियों की ली अपराध समीक्षा बैठक...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

जिले में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से डीआईजी एवं एसएसपी राजेश कुमार अग्रवाल ने सोमवार को पुलिस कोऑर्डिनेशन सेंटर सभाकक्ष में राजपत्रित अधिकारियों तथा समस्त थाना-चौकी प्रभारियों की अपराध समीक्षा बैठक ली। बैठक में थानावार लंबित अपराध, चालान, शिकायत, मर्ग प्रकरणों की स्थिति की समीक्षा की गई। साथ ही म्यूल अकाउंट एवं पीओएस से जुड़े लंबित मामलों पर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। डीआईजी ने विवेचकों को प्रकरण अनावश्यक रूप से लंबित न रखने की सख्त हिदायत दी। निगरानी बदमाशों और आदतन अपराधियों का डिजिटल रिकॉर्ड अपडेट रखने पर जोर बैठक के दौरान थाना प्रभारियों को एनएएफआईएस सेल में फिंगरप्रिंट एंट्री बढ़ाने तथा गिरफ्तार व्यक्तियों का डिजिटल रिकॉर्ड सुरक्षित रखने के निर्देश दिए गए। डीआईजी ने कहा कि थाना स्तर पर निगरानी बदमाश, गुंडा बदमाश, आदतन अपराधियों सहित आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों की जानकारी एवं फिंगरप्रिंट नियमित रूप से सिस्टम में अपडेट की जाए। डीआईजी एवं एसएसपी ने ई-चालान और ई-साक्ष्य की उपयोगिता की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए लंबित मामलों के निराकरण हेतु थाना प्रभारियों को निर्देशित किया। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा दुर्घटनाओं के कारणों के विश्लेषण के लिए इंटीग्रेटेड रोड एक्सीडेंट डेटाबेस (आईआरडीए) में प्रकरणों की समय पर इंट्री सुनिश्चित करने कहा गया।

छत्तीसगढ़ का शिमला मैनपाट फिर होगा गुलजार,13 से 15 फरवरी तक महोत्सव

मनोज तिवारी,कनिका कपूर समेत कई नामी कलाकार देंगे प्रस्तुति,मुख्यमंत्री करेंगे शुभारंभ

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ का शिमला कहे जाने वाले मैनपाट में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मैनपाट महोत्सव 2026 का आयोजन 13 से 15 फरवरी तक किया जाएगा। तीन दिवसीय इस महोत्सव में इस बार लंबे समय बाद फिर से भव्यता देखने को मिलेगी। महोत्सव का शुभारंभ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय करेंगे। आयोजन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। प्रशासन और पर्यटन विभाग द्वारा इसे आकर्षक बनाने के लिए व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं की जा रही हैं। महोत्सव के दौरान पर्यटकों के लिए एडवेंचर गेम्स, बोटिंग, झूले, भव्य मेला और दंगल जैसे कई आकर्षक आयोजन रखे गए हैं। इसका मुख्य उद्देश्य मैनपाट की पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देना और अधिक से अधिक सैलानियों को यहां आकर्षित करना है। राज्य शासन द्वारा इस आयोजन के लिए 10 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। पिछले कुछ वर्षों में यह आयोजन औपचारिकता तक सीमित रह गया था, लेकिन इस बार इसे नए स्वरूप में आयोजित किया जा रहा है।

पहले दिन मनोज तिवारी बांधेंगे समां : 13 फरवरी को महोत्सव का शुभारंभ होगा। पहले दिन भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार और भाजपा सांसद मनोज तिवारी मंच पर प्रस्तुति देंगे। इसके अलावा छत्तीसगढ़ी गायक सुनील सोनी और ओडिशा के प्रसिद्ध छउ नृत्य कलाकार हरिपद मोहंता भी दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुतियां भी इस दिन विशेष आकर्षण रहेंगी।

दूसरे दिन छत्तीसगढ़ के सितारे करेंगे मंच रोशन : महोत्सव के दूसरे दिन 14 फरवरी को सरगुजा के लोकप्रिय गायक स्वप्निल जायसवाल, छत्तीसगढ़ी गायिका अलका चंद्राकर और रियलिटी शो फेम वैशाली रायकवार प्रस्तुति देंगी। ओडिशा के कलाकारों की भागीदारी भी इस दिन खास रहेगी।

समापन पर कनिका कपूर बिखेरेंगी जलवा : महोत्सव का समापन 15 फरवरी को होगा। अंतिम दिन बॉलीवुड की प्रसिद्ध गायिका कनिका कपूर अपनी प्रस्तुति देंगी। इसके साथ ही रायगढ़ घराने की कत्थक नृत्यांगना ज्योतिश्री वैष्णव और उभरते गायक आयुष नामदेव भी मंच साझा करेंगे।

पर्यटन को मिलेगा नया आयाम : मैनपाट की सुरम्य वादियां सालभर पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। विशेष रूप से ठंड के दिनों में यहां बड़ी संख्या में सैलानी पहुंचते हैं। इस महोत्सव से पर्यटन को नया आयाम मिलने की उम्मीद है।

मैनपाट के सपनादर में तेज रफ्तार कार पेड़ से टकराई,8 घायल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

मैनपाट के सपनादर क्षेत्र में तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। इस हादसे में कार सवार 8 लोग घायल हो गए। सभी लोग फलदान कार्यक्रम में शामिल होकर वापस घर लौट रहे थे। जानकारी के अनुसार सपनादर से कार में सवार होकर आठ लोग दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम बड़ा दमाली गए थे। कार्यक्रम संपन्न होने के बाद सभी वापस लौट रहे थे। इसी दौरान सपनादर के पास वाहन तेज गति के कारण अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे पेड़ से टकरा गया। दुर्घटना में कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में घायल हुए लोगों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में मनिजर यादव (25), रामभजन (18), तुलेश्वर (27), पप्पू (18), जितेंद्र (28), प्रेमनाथ (30), करण यादव (19) और अनिल यादव (25) शामिल हैं।

दरिमा स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर नहीं मिला

घटना के बाद घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए दरिमा स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, लेकिन वहां डॉक्टर मौजूद नहीं थे। अस्पताल में केवल दो नर्सें थीं, जिन्होंने डॉक्टर के अभाव में भर्ती लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद सभी घायलों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया।

सरगुजा ओलम्पिक अंतर्गत जिला स्तरीय प्रतियोगिता 10 से 12 फरवरी 2026 तक अम्बिकापुर में...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

बस्तर ओलम्पिक के सफल आयोजन के पश्चात छत्तीसगढ़ शासन द्वारा इस वर्ष सरगुजा ओलम्पिक खेलों का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में 14 से 17 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाएँ तथा 17 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के महिला एवं पुरुष प्रतिभागी 12 विभिन्न खेल विधाओं में हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता के प्रथम चरण में 28 दिसम्बर 2025 से 25 जनवरी 2026 तक ऑनलाइन एवं ऑफलाइन पंजीयन किया गया। सरगुजा संभाग के 6 जिलों से कुल 3,49,370 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया, जिनमें 1,59,712 पुरुष एवं 1,89,658 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। सर्वाधिक 43,870 खिलाड़ियों ने एथलेटिक्स स्पर्धा में पंजीयन कराया। द्वितीय चरण के अंतर्गत 28 जनवरी से 3 फरवरी 2026 के बीच संभाग के सभी 32 विकासखण्डों में विकासखण्ड स्तरीय खेलों का आयोजन किया गया। नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। शासन द्वारा

खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र, मेडल एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले खिलाड़ियों के लिए आवागमन एवं भोजन की समुचित व्यवस्था प्रशासन द्वारा सुनिश्चित की गई। अब प्रतियोगिता के तृतीय चरण में जिला स्तरीय खेलों का आयोजन किया जा रहा है, जो सभी जिला मुख्यालयों में संपन्न होंगे। विकासखण्ड स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त खिलाड़ी जिला स्तर पर भाग लेंगे, जबकि हॉकी एवं कुश्ती के पंजीकृत खिलाड़ी सीधे जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होंगे। सरगुजा संभाग के सभी 6 जिलों में फरवरी माह के द्वितीय एवं तृतीय सप्ताह में जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित किए जा रही हैं। अम्बिकापुर में जिला स्तरीय प्रतियोगिता 10 से 12 फरवरी 2026 तक आयोजित की जाएगी। जिला स्तर पर भाग लेने वाले खिलाड़ियों के लिए प्रशासन द्वारा परिवहन, भोजन एवं रात्रि विश्राम की व्यवस्था की गई है। व्यक्तिगत स्पर्धाओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को क्रमशः 2000, 1500 एवं 1000 की नगद पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। वहीं दलीय खेलों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त टीमों को क्रमशः 4000, 3000 एवं 2000 की पुरस्कार राशि के साथ प्रमाण पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। जिला स्तरीय आयोजन हेतु संबंधित जिले के कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा बैठक आयोजित कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा चुके हैं।

पुलिस लाइन मैदान को खेल के लिए सुरक्षित रखने की मांग

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

शहर के मध्य स्थित पुलिस लाइन मैदान को बच्चों और युवाओं के लिए सुरक्षित रखने की मांग उठने लगी है।

समस्त नागरिकों एवं खेल प्रेमियों ने पुलिस महानिरीक्षक दीपक गर्ग को ज्ञापन सौंपकर आग्रह किया है कि मैदान में प्रस्तावित निर्माण कार्य को अन्यत्र स्थानांतरित किया जाए। पत्र में उल्लेख किया गया है कि पुलिस लाइन मैदान पुलिस विभाग की संपत्ति है, लेकिन वर्षों से विभाग की उदारता के कारण यहां शहर के बच्चे और युवा खेलकूद एवं शारीरिक अभ्यास करते आ रहे हैं। नागरिकों ने चिंता जताई कि वर्तमान में शहर में आउटडोर खेलों के लिए अन्य कोई बड़ा मैदान उपलब्ध नहीं बचा है, जिससे बच्चे खेल गतिविधियों से दूर होते जा रहे हैं। खेल प्रेमियों ने मांग की है कि पुलिस विभाग निर्माण कार्य विभाग की किसी अन्य रिक्त भूमि पर कराए, ताकि यह मैदान बच्चों के खेल एवं स्वास्थ्य गतिविधियों के लिए सुरक्षित बना रहे।

अंग्रेजी शराब दुकान में नौकरी लगवाने का झांसा देकर 1.50 लाख की ठगी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

अंग्रेजी शराब दुकान में नौकरी लगवाने का झांसा देकर 1 लाख 50 हजार रुपए की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित बेरोजगार युवक ने मामले की कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार लोचन प्रसाद राजवाड़े कोतवाली क्षेत्र के रनपुर खुर्द का रहने वाला है। इसका मौसी का लडक़ा ओमप्रकाश राजवाड़े जो कि कांतिप्रकाशपुर का रहने वाला है। इसी गांव के संदीप गुप्ता है। जो ओमप्रकाश को बाला की तुम अपने मौसी के बेटे लोचन को नौकरी क्यों नहीं लगवा देते। मेरे रिश्देतार शराब सप्लाई का काम करते हैं। कहो तो मैं उनसे बात कर नौकरी लगवा देता हूं। इसके लिए डेढ लाख रुपए लगेगा। ओमप्रकाश के बताने पर लोचन तैयार हो गया। उसने आरोपी को 7 सितंबर 2024 को फोनपे के माध्यम से 10 हजार रुपए और 10 सितंबर 2024 को 1 लाख 40 हजार रुपए नगद दिए थे। आरोपी ने एक सप्ताह के भीतर नियुक्ति पत्र मिलने का भरोसा दिलाया था। 4 से 5 माह बीतने के बाद भी जब नौकरी नहीं लगी तो वह रुपए वापस मांगने लगा। आरोपी लगातार टालमटोल करता रहा। बाद में गाली-गलौज करते हुए पैसा लौटाने से इनकार कर दिया। अब उसे मारपीट करने की धमकी दे रहा है। पीड़ित युवक ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। पुलिस मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

फर्जी फाइनेंस कंपनी मैनेजर बनकर फ्लेक्स व्यवसायी से 1.93 लाख की ठगी

ओडी अकाउंट खोलने के नाम पर चेक पर हस्ताक्षर कराकर निकाली रकम, पुलिस जांच में जुटी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

श्रीराम फाइनेंस कंपनी के नाम पर फोन कर ओवरड्राफ्ट (ओडी) अकाउंट खोलने का ऑफर देकर फ्लेक्स व्यवसायी से 1.93 लाख रुपए की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार सूर्यनारायण विश्वकर्मा, निवासी बौरीपारा केनाबांध, प्रतापपुर नाका चौक स्थित सूरज फ्लेक्स का संचालन करते हैं। 2 फरवरी को उनके पास श्रीराम फाइनेंस के नाम पर फोन आया। कॉलर ने बताया कि उनका सिविल स्कोर अच्छा है और कंपनी कम ब्याज दर पर ओडी अकाउंट खोलने का ऑफर दे रही है। शुरुआत में सूर्यनारायण ने इसकी आवश्यकता नहीं होने पर मना कर दिया। इसके बाद 3 फरवरी को दोबारा कॉल आया और ब्रांच मैनेजर बताकर बात कराई गई।

फाईलेरिया मुक्ति अभियान अंतर्गत सामूहिक दवा सेवन कार्यक्रम का आज से

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 09 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत फाईलेरिया मुक्ति अभियान अंतर्गत सामूहिक दवा सेवन कार्यक्रम 2026 का शुभारंभ 10 फरवरी से किया जाएगा। जिला मलेरिया एवं वेक्टर जनित रोग नियंत्रण अधिकारी ने बताया कि इसमें 10, 11 एवं 12 फरवरी 2026 को स्कूल, आंगनबाड़ी, कॉलेज, हाऊसिंग सोसाईटी, बस स्टैंड, रेल्वे स्टेशन तथा आवश्यकतानुसार अन्य स्थानों पर बूथ लगाकर दवा सेवन कराया जाएगा। 13 फरवरी 2026 से 22 फरवरी 2026 तक घर-घर जाकर फाईलेरिया रोधी दवा का सेवन दवा प्रशासक द्वारा कराया जाएगा तथा छूटे हुए व्यक्तियों को 23, 24 एवं 25 फरवरी को दवा का सेवन कराया जाना है।

सामूहिक विवाह समारोह में आज जिलेभर के 260 जोड़े बंधेंगे परिणय सूत्र में...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत 10 फरवरी 2026 को अम्बिकापुर के पी.जी. कॉलेज के हॉकी स्टेडियम मैदान में सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह में जिलेभर के 260 जोड़े परिणय सूत्र में बंधेंगे। समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय प्रातः 11:30 बजे वर्चुअल रूप से जुड़कर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नव विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देंगे। वैवाहिक कार्यक्रम प्रातः 09:00 बजे से आयोजित होगा। इस अवसर पर पर्यटन संस्कृति धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। समारोह की अध्यक्षता सांसद सरगुजा श्री चिंतामणी महाराज करेंगे।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में विधानसभा क्षेत्र लुण्ड्रा के विधायक श्री प्रबोध मिंज, विधानसभा क्षेत्र सीतापुर के विधायक श्री रामकुमार टोप्पो, राज्य गृह निर्माण मंडल अध्यक्ष श्री अनुराग सिंहदेव, राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्वविजय सिंह तोमर, नगर पालिक निगम अम्बिकापुर महापौर श्रीमती मंजूषा भगत,जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरुपा सिंह,सभापति नगर पालिक निगम अम्बिकापुर श्री हरमिंदर सिंह टिन्नी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री देवनारायण यादव एवं सभापति स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास समिति श्रीमती राधा रवि शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री दौरे से 7 दिन पहले MCB के DFO मनीष कश्यप सस्पेंड...सियासत में मचा भूचाल

गालीबाज DFO पर गिरी गाज : जंगल तस्करी से बदजुबानी तक के आरोपों के बीच बड़ी कार्रवाई

- सत्ता-विपक्ष के दबाव के बीच DFO निलंबित, क्या यह आंदोलन की जीत या सियासी रणनीति?
- दौरे से पहले बड़ा एक्शन : विवादों में घिरे DFO मनीष कश्यप सस्पेंड, उठे कई सवाल
- जनाक्रोश, सियासत और प्रशासन-आखिर क्यों आखिरी वक्त में हुआ DFO का निलंबन?
- MCB में 'जीरो टॉलरेंस' का संदेश? मुख्यमंत्री आगमन से पहले विवादित DFO पर कार्रवाई

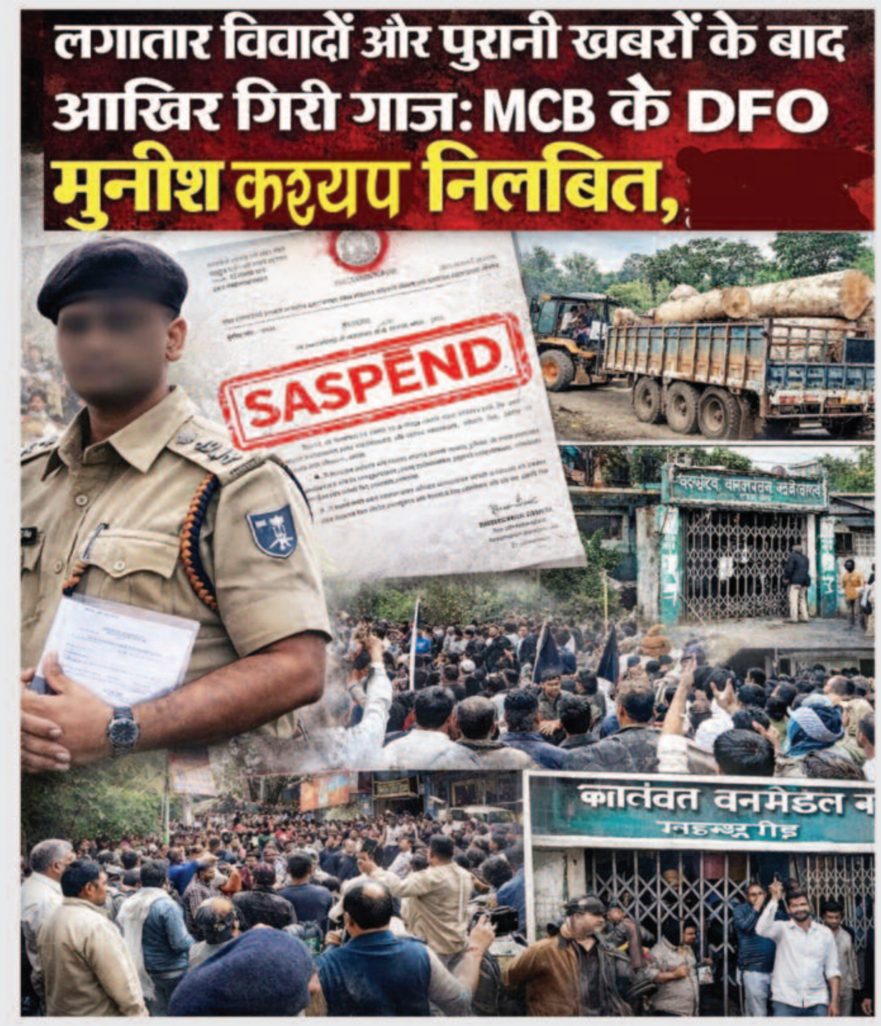

-न्यूज डेस्क-
रायपुर/मनेन्द्रगढ़ 09 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले में मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे से ठीक सात दिन पहले प्रभारी वन उप संरक्षक मनीष कश्यप के निलंबन ने प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है, लंबे समय से विवादों और विरोध प्रदर्शनों के केंद्र में रहे अधिकारी पर राज्य शासन ने अखिल भारतीय सेवा (आचरण) नियम,1968 के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए तत्काल प्रभाव से कार्रवाई की है, इस फैसले को लेकर क्षेत्र में कई तरह की चर्चाएं चल रही हैं–कोई इसे विपक्ष के दबाव का परिणाम बता रहा है तो कोई सरकार की सख्त प्रशासनिक छवि का संदेश मान रहा है।

सचिव से बदतमीजी बना निलंबन का मुख्य कारण

मिली जानकारी के अनुसार 23 जनवरी 2026 को भारत सरकार द्वारा आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक की तैयारी को लेकर वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के सचिव ने फोन पर जानकारी मांगी थी,आरोप है कि इस दौरान डीएफओ मनीष कश्यप ने विभागीय मर्यादा का उल्लंघन करते हुए आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया और वरिष्ठ अधिकारी से दुर्व्यवहार किया, शासन ने इसे गंभीर अनुशासनहीनता मानते हुए अनुशासन एवं अपील नियम,1969 के तहत निलंबन आदेश जारी किया, निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक कार्यालय, अरण्य भवन नवा रायपुर तय किया गया है और उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा।

जनपद स्तर के आरोप और प्रशासनिक असंतोष की चर्चा : स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा रही कि कुछ जनपद प्रतिनिधियों के साथ समन्वय को लेकर भी विवाद की स्थिति बनी हुई थी, हालांकि इन आरोपों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है, लेकिन क्षेत्रीय राजनीति में इसे लेकर लगातार बयानबाजी होती रही है। जानकारों का कहना है कि किसी भी प्रशासनिक अधिकारी के खिलाफ लगातार शिकायतें सामने आना विभाग के लिए गंभीर संकेत माना जाता है।

मीडिया और जनदबाव की भी रही भूमिका : क्षेत्रीय मीडिया में जंगल तस्करी और प्रशासनिक विवादों से जुड़ी खबरें लगातार प्रकाशित होने के बाद यह मुद्दा व्यापक चर्चा में आ गया था, कई जनप्रतिनिधियों ने इन्हीं खबरों के आधार पर शासन स्तर पर कार्रवाई की मांग उठाई थी। माना जा रहा है कि बढ़ते जनदबाव और राजनीतिक गतिविधियों ने भी इस फैसले को प्रभावित किया।

जंगल तस्करी और प्रशासनिक कार्यशैली को लेकर पहले से विवाद

डीएफओ की कार्यशैली को लेकर क्षेत्र में पहले से ही असंतोष बताया जा रहा था, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने जंगलों की अवैध कटाई, तस्करी और विभागीय कार्यप्रणाली को लेकर कई बार सवाल उठाए थे,पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने भी इस मुद्दे पर खुलकर मोर्चा खोलते हुए कार्यालय घेराव और ज्ञापन सौंपे थे, हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है,लेकिन लगातार उठती शिकायतों और जनाक्रोश को इस कार्रवाई की पृष्ठभूमि माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री के आगमन से पहले कार्रवाई,क्या है संदेश?

16 फरवरी को मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे से पहले ही यह बड़ा फैसला सामने आने से सियासी चर्चाएं तेज हो गई हैं, कांग्रेस नेताओं ने पहले ही चेतावनी दी थी कि यदि विवादित अधिकारी पर कार्रवाई नहीं हुई तो मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान बड़ा आंदोलन किया जाएगा,ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या यह कदम संभावित विरोध को शांत करने के लिए उठाया गया या फिर प्रशासनिक अनुशासन बनाए रखने के लिए सरकार का सख्त संदेश है, राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सत्ता और विपक्ष दोनों ही लंबे समय से इस अधिकारी को लेकर असहज थे, इसलिए कार्रवाई के बाद दोनों पक्षों में अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं।

राजनीतिक मायने और आगे की राह...

निलंबन के बाद अब यह सवाल उठ रहा है कि क्या यह केवल तात्कालिक कदम है या फिर विभागीय जांच के बाद और भी सख्त कार्रवाई हो सकती है। कुछ लोग इसे जनता और जनप्रतिनिधियों की जीत बता रहे हैं, जबकि अन्य इसे मुख्यमंत्री दौरे से पहले माहौल शांत करने की रणनीति मान रहे हैं, विशेषज्ञों का कहना है कि अंतिम तस्वीर जांच पूरी होने के बाद ही साफ होगी, यदि आरोप साबित होते हैं तो यह प्रशासनिक जवाबदेही का बड़ा उदाहरण बन सकता है, वहीं यदि आरोपों में दम नहीं मिला तो मामला अलग मोड़ भी ले सकता है।

भव्य कलश यात्रा से शिवमहापुराण कथा का शुभारंभ 'हर-हर महादेव' के जयकारों से गूंजा सोनहत

सोनहत की गलियों में उतरी शिवलोक की आभा,आचार्य विनयकांत त्रिपाठी के श्रीमुख से शिवमहापुराण का मंगल गान शुरू

-संवाददाता-
कोरिया/सोनहत,09 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

धर्म, आस्था और भक्ति के अद्भुत संगम के बीच सोनहत की पावन धरती पर शिवमहापुराण कथा का भव्य और ऐतिहासिक शुभारंभ हुआ, नगर में निकली विशाल कलश यात्रा ने पूरे क्षेत्र को शिवमय कर दिया, 'हर-हर महादेव' और 'ॐ नमः शिवाय' के जयघोषों से आसमान गूंज उठा और श्रद्धालुओं की आस्था का सैलाब सड़कों पर उमड़ पड़ा,भक्ति और उत्साह से भरी इस यात्रा ने न केवल धार्मिक माहौल को जीवंत किया, बल्कि समाज में एकता और सांस्कृतिक चेतना का संदेश भी दिया।

केसरिया रंग में रंगा सोनहत, भक्ति में डूबा जनसैलाब

सुबह से ही नगर में उत्साह का माहौल देखने को मिला। कलश यात्रा में हजारों की संख्या में महिलाएं पीली और केसरिया साड़ियों में सुसज्जित होकर शामिल हुईं,सिर पर मंगल कलश धारण कर लंबी कतारों में चलती माताएं-बहनें मानो भक्ति की सजीव प्रतिमा प्रतीत हो रही थीं, नगर के प्रमुख चौक-चौराहों और मार्गों पर श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया,जगह-जगह भजन-कीर्तन और ढोल-नगाड़ों की धुन ने वातावरण को और अधिक आध्यात्मिक बना दिया, श्रद्धालुओं का कहना था कि इतने बड़े स्तर पर धार्मिक आयोजन लंबे समय बाद देखने को मिला है, बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी वर्गों के लोग उत्साहपूर्वक शामिल हुए और नगर का हर कोना शिवमय नजर आया।

विधायक रेणुका सिंह ने बढ़ाया आयोजन का गौरव

आस्था के इस महोत्सव में क्षेत्रीय विधायक रेणुका सिंह ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई,उन्होंने कलश यात्रा का स्वागत करते हुए श्रद्धालुओं के साथ कुछ दूरी तक पदयात्रा भी की, विधायक ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज को सकारात्मक ऊर्जा देते हैं और लोगों के बीच आपसी भाईचारा बढ़ाते हैं, उन्होंने आचार्य विनयकांत त्रिपाठी की विद्वत्ता की सराहना करते हुए कहा कि उनके श्रीमुख से शिवमहापुराण कथा का श्रवण करना सोनहत के लिए गौरव और सौभाग्य की बात है।

बसंत झरिया शिव मंदिर बना आस्था का केंद्र

कलश यात्रा का प्रमुख पड़ाव बसंत झरिया शिव मंदिर रहा, जहां भक्तिभाव का अनूठा दृश्य देखने को मिला। कथा प्रारंभ से पूर्व मंदिर परिसर में भगवान भोलेनाथ का विशेष श्रृंगार और अभिषेक किया गया, वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शिवलिंग पर गंगाजल और विभिन्न पवित्र नदियों के जल से अभिषेक किया गया विधायक रेणुका सिंह, आयोजन समिति के सदस्य और सैकड़ों श्रद्धालुओं ने बसंत झरिया महादेव के चरणों में मत्था टेककर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।

आचार्य विनयकांत त्रिपाठी की ओजस्वी वाणी से कथा का शुभारंभ

कलश यात्रा के पश्चात कथा पंडाल में विधिवत व्यास पीठ पूजन किया गया,प्रख्यात कथा वाचक आचार्य विनयकांत त्रिपाठी ने अपने ओजस्वी प्रवचनों से श्रद्धालुओं को शिवभक्ति के गूढ़ रहस्यों से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि भगवान शिव केवल संहारक नहीं,बल्कि सृष्टि के रक्षक और करुणा के सागर हैं,पहले दिन के प्रवचन में आचार्य ने शिव तत्व की महिमा का वर्णन करते हुए बताया कि 'शिव ही सत्य हैं और सत्य ही सुंदर है। जो भी जीव भगवान भोलेनाथ की शरण में आता है, उसके जीवन की बाधाएं और कष्ट स्वतः ही दूर हो जाते हैं।' कथा के दौरान श्रद्धालु मंत्रमुग्ध होकर प्रवचन सुनते रहे और कई बार जयकारों से पूरा पंडाल गूंज उठा।

आगामी दिनों में होंगे विशेष प्रसंग और आध्यात्मिक आयोजन

आयोजन समिति के अनुसार शिवमहापुराण कथा आगामी 16 फरवरी तक चलेगी। समापन दिवस पर विशाल भंडारा और पूर्णाहुति का आयोजन किया जाएगा। आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं को कई महत्वपूर्ण प्रसंगों का श्रवण कराया जाएगा, जिनमें प्रमुख रूप से–

- शिव–सती चरित्र: त्याग, प्रेम और समर्पण की अद्भुत कथा
- अर्धनारीश्वर स्वरूप: सृष्टि में पुरुष और प्रकृति के संतुलन का संदेश
- शिव–पार्वती विवाह महोत्सव: भव्य उत्सव और सांस्कृतिक झांकी के साथ
- द्वादश ज्योतिर्लिंग महिमा: घर बैठे बारह ज्योतिर्लिंगों के दर्शन का पुण्य
- रुद्राक्ष और भस्म का महत्व: आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण

आस्था के साथ सामाजिक एकता का संदेश

शिवमहापुराण कथा केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता का भी प्रतीक बनकर सामने आई है, विभिन्न वर्गों और समुदायों के लोग मिलकर आयोजन की व्यवस्था में जुटे हैं, स्थानीय युवाओं ने यातायात व्यवस्था संभाली तो महिलाओं ने भजन–कीर्तन और प्रसाद वितरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भक्ति की गूंज से बदल रहा सोनहत का माहौल

नगरवासियों का कहना है कि कथा के दौरान सोनहत में आध्यात्मिक वातावरण का नया संचार हुआ है, शाम होते ही कथा पंडाल में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ती है और भजन–कीर्तन से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो जाता है, आयोजन समिति ने सभी धर्मप्रेमियों से सपरिवार कथा में शामिल होकर भक्ति रस की इस गंगा में डुबकी लगाने की अपील की है।

CMYK

'शून्य' का जादू या सिस्टम का खेल?

सूरजपुर की धान खरीदी में जीरो करने की कवायद पर उठते तगड़े सवाल

कैसे शुरू हुआ विवाद?

जिले के कई खरीदी केंद्रों में जांच के दौरान कथित तौर पर यह पाया गया कि जितनी खरीदी दिखाई गई, उतना धान चट्टों में मौजूद नहीं था। इसके बाद स्पष्टीकरण,निलंबन और नोटिस जैसी कार्रवाई हुई, प्रशासनिक स्तर पर खरीदी और उठाव को बराबर करने की बात सामने आई,अधिकारियों का कहना था कि स्टॉक को संतुलित कर शून्य करना जरूरी है। लेकिन यहीं से नई आशंकाएं पैदा हो गईं।

धान खरीदी-किसानों की नीति या सिस्टम का कारोबार?

छत्तीसगढ़ की राजनीति में धान खरीदी सिर्फ कृषि योजना नहीं, बल्कि चुनावी वादा,आर्थिक रणनीति और प्रशासनिक चुनौती तीनों है,किसानों को बेहतर समर्थन मूल्य मिले, उनका धान पूरी तरह खरीदा जाए-यह सरकार की प्राथमिकता बताई जाती है,लेकिन इसी प्रक्रिया के बीच एक समानांतर कहानी भी चलती है, जिसमें आरोप है कि कुछ लोग नियमों की दरारें ढूंढकर फायदा उठाते हैं,व्यंग्य यही है कि किसान मेहनत से धान उगाता है,सरकार समर्थन मूल्य तय करती है, अधिकारी नियम बनाते हैं,लेकिन असली खेल अक्सर उन लोगों के हाथ में चला जाता है जो सिस्टम को अपनी सुविधा से समझते हैं, यही वजह है कि हर सीजन के बाद चर्चा शुरू हो जाती है-धान ज्यादा था या कागज ज्यादा?

रकबा, उत्पादन और 'खाली जगह' का गणित

विशेषज्ञ कहते हैं कि एक एकड़ में तय खरीदी मात्रा और वास्तविक उत्पादन के बीच फर्क होना सामान्य बात है, लेकिन यह फर्क ही कथित तौर पर सबसे बड़ा मौका बन जाता है, कुछ किसान और बिचौलियों के बीच तालमेल की बातें होती हैं,कहीं बाहरी धान लाने की चर्चा होती है, तो कहीं बिना धान के ही एंट्री चढ़ाने की फुसफुसाहट सुनाई देती है,यहां व्यंग्य यही है कि खेत में जितना धान नहीं उगता,उससे ज्यादा चर्चा कागजों में उग जाती है, और जब जांच होती है तो हर कोई कहता है-गलती सिस्टम की है, हमारी नहीं।

भौतिक सत्यापन और अचानक आई 'जीरो' की जरूरत

जिले के कई केंद्रों में जांच के दौरान कथित तौर पर खरीदी और स्टॉक में अंतर मिलने की बातें सामने आईं, नोटिस जारी हुए,कुछ लोग निलंबित भी बताए गए,और फिर अचानक एक नया लक्ष्य तय हुआ-खरीदी और उठाव को बराबर करना, यहीं से व्यंग्य का नया अध्याय शुरू होता है, सवाल उठता है कि क्या जीरो करने का मतलब सिर्फ हिसाब बराबर करना है या सच में कमी ढूंढना? क्योंकि जैसे ही यह लक्ष्य सामने आया,कई केंद्रों में गतिविधियां बढ़ने की चर्चाएं भी तेज हो गईं।

जीरो का जादू या धान का खेल? सूरजपुर की समितियों में खरीदी-उठाव बराबर करने के नाम पर नया गणित

शिवप्रसादनगर,बंजा, संवाराव, टुकुडांड और सूरजपुर केंद्रों पर बढ़ी हलचल, बाहरी धान की एंट्री की चर्चा तेज

भौतिक सत्यापन के बाद 'संतुलन' का आदेश, अब चट्टों में अचानक बढ़ते स्टॉक पर उठे सवाल

एआई कैमरे रिकॉर्ड कर रहे हर गतिविधि, लेकिन कार्रवाई होगी या फाइलों में ही जीरो?

धान कम उगा या हिसाब ज्यादा बना? सूरजपुर की खरीदी अब आंकड़ों से ज्यादा भरोसे की परीक्षा बन गई है...

जीरो का खेल या धान का मेल? सूरजपुर की समितियों में खरीदी-उठाव बराबर करने पर बड़ा सवाल

कागजों में जीरो,चट्टों में हीरो! धान खरीदी केंद्रों में संतुलन के नाम पर नया गणित

शिवप्रसादनगर से बंजा तक : जीरो करने के आदेश ने बढ़ाई धान की 'अचानक' आवक

धान आया या हिसाब? सूरजपुर की समितियों में जीरो फार्मूले पर उठी शक की नजर

एआई कैमरा देखता रहा,सिस्टम जीरो करता रहा? खरीदी केंद्रों पर व्यंग्यात्मक सच्चाई

धान कम,गणित ज्यादा-सूरजपुर में जीरो करने की कवायद पर तगड़े सवाल

बाहर का धान या अंदर का प्लान? खरीदी केंद्रों में संतुलन के नाम पर सियासी तूफान

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर,09 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। धान खरीदी खत्म होते ही हर साल एक नया शब्द चर्चा में आता है-समायोजन,संतुलन या फिर इस बार का सबसे चर्चित शब्द जीरो। कागजों में सब कुछ बराबर कर देना,खरीदी और उठाव को लाइन से खड़ा कर देना और फाइलों में ऐसा संतुलन दिखाना कि सिस्टम भी खुश और जिम्मेदार भी सुरक्षित,लेकिन इस बार सवाल कुछ ज्यादा तेज हैं,सवाल यह कि क्या जीरो करने की प्रक्रिया सुधार का रास्ता है या फिर उन लोगों के लिए नया अवसर,जो पहले से ही गड़बड़ी के आरोपों में घिरे रहे हैं? जिले के शिवप्रसादनगर,बंजा,संवाराव,टुकुडांड और सूरजपुर जैसे धान खरीदी केंद्रों का नाम इन दिनों गलियारों में गूंज रहा है,आधिकारिक बयान अलग कहानी कहते हैं, लेकिन जमीन पर धान खरीदी केंद्र की चर्चा यह है कि जैसे ही प्रशासन ने खरीदी और उठाव बराबर करने का लक्ष्य दिया,कुछ लोगों ने इसे नियम सुधार नहीं बल्कि सेफ्टी वाल्व की तरह देखना शुरू कर दिया। बता दे की छत्तीसगढ़ में धान खरीदी सिर्फ कृषि प्रक्रिया नहीं बल्कि राजनीतिक और आर्थिक दोनों दृष्टि से संवेदनशील विषय है, राज्य सरकार किसानों से लगभग ?3100 प्रति क्विंटल के हिसाब से धान खरीद रही है और प्रति एकड़ तय मात्रा के आधार पर खरीदी की जाती है, कृषि विशेषज्ञों और कई किसानों का कहना है कि वास्तविक उत्पादन कई बार निर्धारित सीमा से कम होता है, जिससे कुछ किसानों के रकबे में खाली जगह बच जाती है, आरोप है कि इसी खाली जगह का फायदा उठाकर कुछ लोग बाहरी धान खरीदकर समितियों में चढ़ाते हैं या कागजों में खरीदी दिखाकर भुगतान करा लेते हैं।

ईमानदार किसान बनाम सिस्टम का खेल

सबसे ज्यादा असर उन किसानों पर पड़ता है जो सच में मेहनत करके धान बेचते हैं, छोटे किसान बताते हैं कि प्रक्रिया जटिल होती जा रही है, जबकि कुछ लोगों के लिए रास्ता हमेशा आसान दिखता है, यही असंतुलन सबसे बड़ा सवाल बनकर सामने आता है,राइस मिलरों के बीच भी दो तरह की चर्चा है-कुछ लोग नियमों के साथ काम करने की बात करते हैं, तो कुछ पर आरोप है कि वे पूरे नेटवर्क के सुरक्षा कवच बन जाते हैं, सच क्या है, यह जांच से ही सामने आएगा, लेकिन जिले में विश्वास का संकट जरूर दिखता है।

सबसे बड़ा सवाल

क्या शिवप्रसादनगर,बंजा,संवाराव,टुकुडांड और सूरजपुर जैसे केंद्रों में जो हो रहा है, वह सिर्फ अफवाह है या फिर संगठित स्तर पर स्टॉक बराबर करने का नया तरीका? जिले के किसानों और आम लोगों की नजर अब इस बात पर है कि प्रशासन इन आरोपों की गहराई से जांच करता है या फिर मामला कागजों में जीरो होकर खत्म हो जाता है।

बंजा केंद्र का वीडियो और बाहरी धान की चर्चा-धान आया या संतुलन?

स्थानीय सूत्रों के मुताबिक,बंजा धान खरीदी केंद्र से जुड़ा एक वीडियो सामने आया है जिसमें एक ही दिन में कई पिकअप धान सीधे चट्टों पर उतरते दिख रहे हैं, दावा किया जा रहा है कि यह धान स्थानीय किसानों का नहीं बल्कि बाहर से लाया गया था,ताकि पहले से दर्ज खरीदी के बराबर स्टॉक दिखाया जा सके,हालांकि इस वीडियो की आधिकारिक पुष्टि प्रशासन की ओर से नहीं हुई है, लेकिन यह मामला अब जिले में चर्चा का विषय बन चुका है,स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि बंजा केंद्र में एक दिन में कई पिकअप धान सीधे चट्टों पर पहुंचे,आधिकारिक पुष्टि भले न हो,लेकिन लोगों के बीच सवाल यही है कि अचानक इतना धान कहां से आ गया? क्या यह वही धान है जो किसानों के खेत से आया या फिर सिस्टम को जीरो दिखाने का नया तरीका? व्यंग्यात्मक अंदाज में लोग कहते हैं-जब फाइलों में कमी दिखी तो धान भी अचानक बढ़ने लगा। यह बात सच है या सिर्फ अफवाह,इसका फैसला जांच ही करेगी, लेकिन चर्चा ने पूरे जिले में माहौल गर्म जरूर कर दिया है।

राजनीति,प्रशासन और जिम्मेदारी का त्रिकोण

धान खरीदी का मुद्दा हमेशा राजनीति से जुड़ा रहता है, सरकार किसानों के हित की बात करती है,विपक्ष गड़बड़ी के आरोप लगाता है, और प्रशासन संतुलन बनाने की कोशिश करता है, लेकिन जब जीरो करने जैसी प्रक्रिया पर ही सवाल उठने लगें तो जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है, व्यंग्य यह है कि हर कोई खुद को किसान हितैषी बताता है, लेकिन जब घोटाले की चर्चा होती है तो कोई भी जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं होता, आखिरकार सवाल यही रहता है-अगर सब ईमानदार हैं तो गड़बड़ी करता कौन है?

सबसे बड़ा सवाल-मौका सुधार का या बचाव का?

क्या प्रशासन ने जो मौका दिया वह सुधार के लिए था या फिर कुछ लोगों ने उसे बचाव का रास्ता बना लिया? क्या बाहर का धान सच में समितियों तक पहुंच रहा है या यह सिर्फ विरोधियों का आरोप है? क्या एआई कैमरों की रिपोर्ट पर कार्रवाई होगी या सब कुछ कागजों में ही जीरो हो जाएगा? सूरजपुर की धान खरीदी अब सिर्फ आर्थिक मुद्दा नहीं रह गई, यह भरोसे की परीक्षा बन चुकी है। किसान, कर्मचारी, मिलर और अधिकारी-सभी की भूमिका इस कहानी में है, अब जिले की नजर इस बात पर है कि जीरो सिर्फ आंकड़ों में होगा या सच में सिस्टम साफ करने का मौका बनेगा। क्योंकि अगर हर साल फाइलें जीरो होती रहीं और सवाल बढ़ते रहे, तो शायद एक दिन यह भी कहना पड़ेगा कि धान कम और व्यंग्य ज्यादा उग रहा है।

दूसरा खेल-कागजों में उठाव पूरा,जमीन पर आधा?

कुछ लोगों का दावा है कि कुछ जगहों पर ट्रकों की पूरी लोडिंग कागजों में दिखाई जाती है,जबकि वास्तविक उठाव कम होता है,अंतर की भरपाई निजी स्तर पर होने की बातें कही जा रही हैं,अगर यह सच है तो व्यंग्य यही बनता है कि धान ट्रक में कम और फाइल में ज्यादा चलता है,धान खरीदी केंद्रों में काम करने वाले कई ईमानदार लोग भी इस माहौल से परेशान बताए जाते हैं,उनका कहना है कि जब गड़बड़ी की चर्चा होती है तो शक सब पर जाता है, चाहे उन्होंने नियमों का पालन ही क्यों न किया हो।

एआई कैमरा-आंखें खुली, सिस्टम बंद?

सरकार ने निगरानी के लिए एआई कैमरे लगाए,दावा किया गया कि अब कोई गड़बड़ी छिप नहीं पाएगी, लेकिन जिले में चर्चा है कि कैमरे सब कुछ रिकॉर्ड करते हैं,फैसला फिर भी इंसानों को ही करना होता है, और जब फैसला करने वालों पर ही सवाल उठने लगें तो कैमरे सिर्फ गवाह बनकर रह जाते हैं,लोग व्यंग्य में कहते हैं-कैमरा देख रहा है,लेकिन फाइल सो रही है। यह सिर्फ तंज है या हकीकत,इसका जवाब कार्रवाई से ही मिलेगा।

बाईक चोरी के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-

कोरबा,09 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। कोरबा जिले में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण एवं अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली कोरबा पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना कोतवाली कोरबा क्षेत्र अंतर्गत मोटरसाइकिल चोरी के एक प्रकरण में पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए 03 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उक्त मामले मे प्रार्थी द्वारा थाना कोतवाली में लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दिनांक 03.02.2026 की रात्रि लगभग 10:30 से 11:30 बजे के मध्य अपनी हीरो बुलेट मोटरसाइकिल (क्रमांक CG 12 BU 8550) को घर के सामने खड़ी कर नमाज पढ़ने गया था। वापस लौटने पर मोटरसाइकिल मौके से गायब पाई गई, जिसे किसी अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर लिया गया था। रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान संदेह के आधार पर आरोपियों से पूछताछ की गई, जिनके द्वारा चोरी की घटना स्वीकार की गई। पुलिस ने उक्त प्रकरण मे 01. शुभम खत्री, पिता स्व. अनिल खत्री, उम्र 23 वर्ष, निवासी संजय नगर,कोरबा, थाना कोतवाली, जिला कोरबा (छ.ग.), 02. आकाश मेहर, पिता अनुप मेहर, उम्र 28 वर्ष, निवासी साकिन लक्ष्मणबन तालाब,कोरबा, थाना कोतवाली, जिला कोरबा (छ.ग.) 03. राकेश यादव, पिता शंकर यादव,उम्र 26 वर्ष, निवासी साकिन लक्ष्मणबन तालाब, कोरबा, थाना कोतवाली,जिला कोरबा (छ.ग.) को किया गिरेफ्तार साथ ही आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई हीरो बुलेट मोटरसाइकिल को बरामद किया गया है।

उक्त आरोपियों विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया,जहां से उन्हें 20.02.2026 तक न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। कोरबा पुलिस द्वारा संपत्ति संबंधी अपराधों में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही आगे भी लगातार जारी रहेगी।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0/....../अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण पल्लव वर्मा, उत्कर्ष वर्मा आ0 सुरेन्द्र कुमार वर्मा, दोनों निवासी देवीगंज रोड़ अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदकगण एवं उनकी माता श्रीमती वैणा वर्मा पनि सुरेन्द्र कुमार वर्मा के संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर स्थित भूखण्ड क्रमांक 977/4839/3 रकबा 0.62 एकड़ भूमि है। आवेदकगण की माता श्रीमती वीणा वर्मा की मृत्यु दिनांक 29.10.2023 को हो गई है जिस कारण उक्त भूखण्ड से उनका नाम विलोपित किये जाने हेतु आवेदकगण द्वारा आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 23/02/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं । नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 06/02/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ..../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्यामा तिवारी पत्नी विद्यासागर तिवारी जाति ब्राहम्ण निवासी नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 543/7 रकबा 0.020 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 13/02/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 06 /02 /2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ..../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सीमा पाण्डेय पत्नी लक्ष्मीकांत पाण्डेय जाति ब्राहम्ण निवासी दर्रीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 3583 /2 रकबा 0.019 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, सेटलमेन्ट, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 17/02/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 9 / 2 / 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा.छ0ग0

रा0प्र0क्र0 202505020700176 /-121/2024-25

प्रस्तावित नक्शा का अंतिम ईश्तहार प्रकाशन

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय के रा0प्र0क्र0 202505020700176/ब-121/2024-25 दया लकडा प्रति छ.ग. शासन में ग्राम चिताबहार स्थित खसरा नंबर 263/4 रकबा 0.024 हे. भूमि का नक्शा बटांकन कर राजस्व निरीक्षक के माध्यम से मंगाया गया। जिसका अंतिम प्रकाशन कराया जा रहा है। अतः उक्त नक्शा बूटांकन में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 27/2/2026 को इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 21/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर,सरगुजा,

न्यायालय तहसीलदार लटोरी जिला-सूरजपुर.छ0ग0

रा0प्र0क्र0 ब/ 121 वर्ष
ग्राम-महेशपुर ब/121

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रघुराज दास आ0 स्व सीलन्धरदास जाति बैरागी निवासी ग्राम प0ह0न0....रा0नि0म0 लटोरी तहसील लटोरी जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के चचेरी बहन बिजली बाई जन्म/मृत्यु दिनांक 7 /8/11 को ग्राम महेशपुर में हुई है, अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत महेशपुर को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 25/02/26 तक अपनी आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 02/02/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।
पेशी दिनांक -25/02/26
जारी दिनांक -2/02/26

सील — कार्यपालिक दण्डाधिकारी तहसील-लटोरी जिला - सूरजपुर,छ0ग0

15 फरवरी का वादा या नई चाल? मैनेजर छुट्टी पर, युवा बने कर्जदार

मुद्रा लोन या जाल ? बैकुंठपुर यूको बैंक में नियमों से खिलवाड़ की चर्चा तेज

कम उम्र,बड़ा लोन और बढ़ता विवादः यूको बैंक बैकुंठपुर में सवालों के घेरे में प्रबंधन

लोन बांटे, जिम्मेदारी गायब? यूको बैंक बैकुंठपुर में आनंद, विशाल और एजेंट पियूष पर उठे गंभीर सवाल

छुट्टी, ट्रांसफर और कर्ज का खेल-बैकुंठपुर यूको बैंक विवाद ने खोली सिस्टम की पोल

15 फरवरी का वादा या नई चाल? मैनेजर छुट्टी पर, युवा बने कर्जदार

-न्यूज डेस्क-
कोरिया,09 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
बैकुंठपुर स्थित यूको बैंक शाखा इन दिनों कथित मुद्रा लोन अनियमितताओं को लेकर जिले की सबसे चर्चित खबर बन गई है, आरोपों के केंद्र में शाखा के तत्कालीन ब्रांच मैनेजर आनंद, उनके भाई विशाल और एक कथित एजेंट पियूष के नाम लगातार सामने आ रहे हैं, हालांकि इन सभी आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी तक किसी जांच एजेंसी द्वारा नहीं की गई है,लेकिन युवाओं की शिकायतें,बैंक की चुप्पी और पुलिस की धीमी प्रतिक्रिया ने पूरे मामले को और ज्यादा गंभीर बना दिया है। इस खबर में शामिल सभी नाम और आरोप शिकायतकर्ताओं व स्थानीय स्त्रोतों के आधार पर हैं। इनकी आधिकारिक पुष्टि संबंधित जांच और बैंक की प्रक्रिया के बाद ही संभव होगी।

15 फरवरी की डेडलाइन या सिर्फ आश्वासन ?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिन युवाओं को कहा गया कि 15 फरवरी तक उनके नाम पर चल रहे लोन बंद कर दिए जाएंगे,क्या सच में ऐसा होगा? समय तेजी से गुजर रहा है,लेकिन बैंक की तरफ से कोई स्पष्ट लिखित आश्वासन सामने नहीं आया है,इसी बीच यह खबर भी सामने आई कि ब्रांच मैनेजर आनंद तीन महीने की छुट्टी पर चले गए हैं और खुद को अस्वस्थ बता रहे हैं,स्थानीय स्तर पर यह चर्चा जोरों पर है कि कहीं यह छुट्टी संभावित ट्रांसफर या जांच से बचने की रणनीति तो नहीं, हालांकि इस पर आधिकारिक पुष्टि नहीं है,लेकिन युवाओं के मन में संशय लगातार बढ़ता जा रहा है।

कम आय वाले युवाओं को लाखों का लोन-नियमों पर सवाल

शिकायतकर्ताओं का दावा है कि 18 से 21 वर्ष के ऐसे युवाओं को 8 से 10 लाख रुपये तक के मुद्रा लोन दिए गए, जिनकी नियमित आय तक नहीं थी, कुछ युवाओं का कहना है कि वे दिन में 500 रुपये तक नहीं कमाते, फिर भी उनके नाम पर भारी रकम स्वीकृत हो गई, यह सवाल भी उठ रहा है कि आखिर किस बैंकिंग नियम के तहत इतनी बड़ी राशि बिना मजबूत आय प्रमाण के स्वीकृत हुई,बैंकिंग विशेषज्ञों का मानना है कि मुद्रा लोन में भी KYC,आय का आकलन और व्यवसाय की जांच जरूरी होती है, यदि आरोप सही हैं तो यह सिर्फ व्यक्तिगत गलती नहीं बल्कि सिस्टम की विफलता भी मानी जाएगी।

मोबाइल नंबर,मेल आईडी और खातों पर नियंत्रण के आरोप

कुछ युवाओं का कहना है कि उनके खातों में मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी बाद में अपडेट किए गए,जबकि पासबुक और चेकबुक तक उनके पास नहीं थी, आरोप यह भी हैं कि बैंक से जुड़ी जानकारी सीधे उनके पास नहीं पहुंचती थी,यदि यह सच साबित होता है तो यह बैंकिंग प्रक्रिया की गंभीर अनियमितता मानी जाएगी,हालांकि बैंक की ओर से इस पर कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है।

लोन की रकम किसने इस्तेमाल की ?

मामले का सबसे संवेदनशील पहलू यह है कि कई युवाओं का दावा है कि उन्होंने अपने नाम पर निकली रकम का इस्तेमाल नहीं किया,आरोप लगाए जा रहे हैं कि कुछ भुगतान कथित वेंडरों के माध्यम से दिखाए गए और बाद में पैसा वापस ले लिया गया,स्थानीय चर्चाओं में आनंद, विशाल और एजेंट पियूष के नाम सामने आ रहे हैं,लेकिन यह स्पष्ट करना जरूरी है कि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है और जांच के बाद ही सच्चाई सामने आ सकेगी।

रिकवरी टीम आई, जांच नहीं हुई ?

सूत्रों के अनुसार बैंक मुख्यालय तक शिकायतें पहुंचने के बाद एक अधिकारी शाखा में आया, शिकायतकर्ताओं का कहना है कि वह जांच के बजाय रिकवरी की बात ज्यादा कर रहा था,युवाओं का सवाल है कि जब वे खुद को पीड़ित बता रहे हैं और आरोप लगा रहे हैं कि पैसा उन्होंने इस्तेमाल ही नहीं किया,तो उनसे वसूली क्यों की जा रही है,यह स्थिति बैंकिंग प्रक्रिया और शिकायत निवारण प्रणाली पर भी सवाल खड़े करती है।

पुलिस और प्रशासन की चुप्पी -सबसे बड़ा सवाल

स्थानीय लोगों का आरोप है कि खबरें सामने आने और शिकायतें होने के बावजूद पुलिस ने अब तक कोई बड़ी कार्रवाई नहीं की है,लोगों का डर यह भी है कि यदि संबंधित अधिकारी का स्थानांतरण हो गया तो बाद में जांच और भी मुश्किल हो जाएगी,पुलिस की ओर से इस मामले पर कोई विस्तृत आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है,जिससे लोगों की नाराजगी और बढ़ रही है।

क्या सच में होगा न्याय?- फिलहाल पूरा मामला सवालों के घेरे में है

क्या 15 फरवरी तक लोन बंद होंगे?

क्या आरोपों की निष्पक्ष जांच होगी?

क्या पुलिस और बैंक प्रबंधन समय रहते कार्रवाई करेंगे?

जिले में चर्चा यह भी है कि जब तक जिम्मेदार अधिकारियों पर स्पष्ट कार्रवाई नहीं होती, तब तक यह मामला सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप बनकर रह जाएगा और युवा ही कर्ज के बोझ में दबे

कथित एजेंट नेटवर्क और रिश्वत की चर्चा-

कुछ शिकायतों में यह भी कहा गया है कि लोन स्वीकृति के दौरान कथित एजेंटों की भूमिका थी और बिना कमीशन के फाइल आगे नहीं बढ़ती थी, यह भी आरोप लगाया गया कि कुछ मामलों में पैसे को घुमाने के लिए वेंडरों का इस्तेमाल किया गया, हालांकि इन आरोपों की पुष्टि अभी तक किसी आधिकारिक जांच रिपोर्ट में नहीं हुई है, इसलिए इन्हें फिलहाल आरोप के रूप में ही देखा जा रहा है।

छुट्टी, ट्रांसफर और बचाव की रणनीति?

मैनेजर आनंद के अचानक लंबी छुट्टी पर जाने के बाद यह चर्चा तेज हो गई है कि कहीं यह ट्रांसफर लेकर मामले से दूरी बनाने की कोशिश तो नहीं, बैंक के भीतर भी इस विषय पर अलग-अलग तरह की बातें कही जा रही हैं, लेकिन बैंक प्रबंधन की तरफ से कोई स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है।

बैंक की साख बनाम युवाओं का भविष्य-

इस पूरे विवाद ने यूको बैंक की स्थानीय साख को प्रभावित किया है, सबसे ज्यादा चिंता उन युवाओं की है जिनके नाम पर लोन चल रहे हैं, यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो उनके क्रेडिट रिकॉर्ड पर गंभीर असर पड़ सकता है, जबकि यदि आरोप गलत साबित होते हैं तो बैंक को अपनी छवि सुधारने के लिए कड़े कदम उठाने होंगे।

ऊपर तक पहुंच या सिस्टम की चुप्पी ? महिला अधिकारी को लेकर भी उठे सवाल

मामले में एक और चर्चा यह भी है कि तत्कालीन ब्रांच मैनेजर आनंद ने बैंक के उच्च स्तर तक अपनी पकड़ मजबूत कर रखी थी, विशेष सूत्रों का दावा है कि यूको बैंक की एक वरिष्ठ महिला अधिकारी के साथ उनकी नजदीकियों को लेकर भी बैंक के अंदर चर्चाएं चल रही हैं,आरोप लगाने वालों का कहना है कि इसी कारण कथित अनियमितताओं के बावजूद कार्रवाई धीमी रही और मामले को दबाने की कोशिश हुई, हालांकि इन दावों की किसी आधिकारिक जांच या दस्तावेज से पुष्टि नहीं हुई है,बैंक की ओर से भी इस विषय पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, जानकारों का कहना है कि व्यक्तिगत संबंधों को लेकर उठ रहे सवाल तभी स्पष्ट हो पाएंगे जब पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होगी,फिलहाल यह चर्चा बैंक के गलियारों और स्थानीय स्तर तक सीमित है, जिसकी सत्यता जांच के बाद ही सामने आ सकेगी।

कोरबा पुलिस के द्वारा म्यूल अकाउंट पर किया गया कार्यवाही

-संवाददाता-
कोरबा,09 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
कोरबा जिले में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण एवं अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस के मार्गदर्शन में जिले के थाना/चौकी एवं साइबर पुलिस थाना द्वारा लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में कोरबा पुलिस द्वारा भारत सरकार, गृह मंत्रालय द्वारा संचालित समन्वय पोर्टल के माध्यम से प्राप्त जानकारी के आधार पर साइबर अपराधों में प्रयुक्त म्यूल खातों पर सतत निगरानी एवं कार्यवाही की जा रही थी।

म्यूल अकाउंट से तात्पर्य ऐसे बैंक खाते से है, जिसे खाता धारक द्वारा पैसे के लालच में किराए पर दे दिया जाता है,ताकि साइबर ठगों द्वारा ठगी की राशि को उस खाते में प्राप्त किया जा सके एवं वास्तविक अपराधियों की पहचान छिपाई जा सके।

उक्त प्रकरण के अंतर्गत समन्वय पोर्टल से प्राप्त मूल खाता धारकों की जानकारी के तकनीकी विश्लेषण के दौरान यह पाया गया कि थाना कुसमुंडा क्षेत्र के कुछ व्यक्तियों द्वारा नए बैंक खाते खुलवाकर उन्हें म्यूल अकाउंट के रूप में साइबर ठगों को उपलब्ध कराया गया, जिनका उपयोग देश के विभिन्न राज्यों में की गई साइबर ठगी की रकम प्राप्त करने हेतु किया गया।

प्रकरण में पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर साइबर पुलिस थाना कोरबा एवं थाना कुसमुंडा की संयुक्त टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। मामले मे 01. एम. डी. तबरेज पिता एम. डी. गयासुद्दीन उम्र 23 वर्ष निवासी आनंद नगर थाना कुसमुंडा, जिला कोरबा (छत्तीसगढ़) 02. पुष्पेंद्र साहू, पिता श्याम सुंदर साहू उम्र 22 वर्ष निवासी आनंद नगर, थाना कुसमुंडा, जिला कोरबा (छत्तीसगढ़) को किया गया गिरेफ्तार साथ ही उक्त दोनों आरोपियों के विरुद्ध धारा 318(4),61(2)(ए) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर दिनांक 08.02.2026 को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों को माननीय न्यायालय में प्रस्तुत कर दिनांक 21.02.2026 तक न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

विकसित भारत जी-राम-जी से बदलेगा ग्रामीण भारत का भविष्य- बचराबांध में भाजपा का मंडल स्तरीय सम्मेलन आयोजित

-संवाददाता-
कोरिया,09 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
भारतीय जनता पार्टी मंडल बचरापोंडी द्वारा बचराबांध में विकसित भारत जी-राम-जी विषय पर मंडल स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक भैयालाल राजवाड़े, भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी सहित पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे, सम्मेलन में ग्रामीण विकास,रोजगार और सरकार की योजनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक भैयालाल राजवाड़े ने कहा कि केंद्र सरकार का लक्ष्य विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना है, उन्होंने दावा किया कि विकसित भारत जी-राम-जी योजना ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में मील का पत्थर साबित होगी और इससे गरीब व मजदूर वर्ग के जीवन स्तर में सुधार आएगा, साथ ही उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर मनरेगा समेत अन्य कार्यों में पारदर्शिता की कमी का आरोप भी लगाया।

भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने कहा कि विकसित भारत G-RAM-G बिल के क्रियान्वयन से राज्य में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और गांवों में विकास को नई गति मिलेगी, उन्होंने इसे वर्ष 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने के विजन से जुड़ी महत्वपूर्ण पहल बताया, वहीं प्रदेश सह संयोजक कृष्णबिहारी जायसवाल ने कहा कि अब योजना में रियल-टाइम डेटा अपलोड, मोबाइल मॉनिटरिंग और एआई आधारित फ्रॉड डिटेक्शन जैसी व्यवस्थाएं लागू की जा रही हैं, जिससे वास्तविक हितग्राहियों को लाभ मिल सकेगा। जिला उपाध्यक्ष अशोक जायसवाल और जनपद उपाध्यक्ष प्यारे साहू ने भी अपने संबोधन में योजना को ग्रामीण रोजगार और आजीविका को मजबूत करने वाली पहल बताया। मंडल अध्यक्ष किशोर सिरदार ने स्वागत उद्बोधन दिया, जबकि मंच संचालन सोशल मीडिया प्रभारी जगनारायण साहू ने किया, कार्यक्रम में महिला मोर्चा, मंडल पदाधिकारी, शक्ति केंद्र संयोजक, बूथ अध्यक्ष और बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सम्मेलन के दौरान पार्टी नेताओं ने योजना के लाभों को गांव-गांव तक पहुंचाने का संकल्प भी दोहराया।

90 साल पहले बनी हीरोइन

बेटी से हुई जंग, आज एक्ट्रेस का परिवार है सुपरस्टार सिनेमा की उस बागी हसीना की दास्तां!

30 और 40 के दशक में सिनेमा उपज रहा था। सितारों की चमक-धमक तब उतनी नहीं थीं, लेकिन भारतीय सिनेमा फल-फूल रहा था। ये वो दौर था जब सिनेमा में महिलाओं को काम करने की इजाजत नहीं थी। उसी दौर में एक ऐसी हीरोइन आई, जिसने सबकुछ बदल डाला। पर्दे पर वो सीता बनकर निखरी तो महात्मा गांधी ने अपने जीवन की अगर कोई इकलौती फिल्म देखी तो वो इसी एक्ट्रेस की थी। जानते हैं उसी एक्ट्रेस की दास्तां...

हिंदी सिनेमा में आज अभिनेत्रियों के तौर-तरीके और उनका रंग-ढंग भले ही बदल गया हो,लेकिन एक वक्त ऐसा था जब सिनेमा में काम करने वाली एक्ट्रेसेस ने अपने दम पर वो मुकाम हासिल किया,जो एक तरह से नामुमकिन था। ये वो दौर था जब बड़े घरानों की बेटियां कैमरे पर काम करना तो दूर उसका जिक्र भी नहीं कर सकती थीं।

इसी बीच एक ऐसी अभिनेत्री आई, जिसने नाम सिर्फ अपना नाम बनाया बल्कि उन पीढ़ियों को स्थापित कर दिया,जो आज भी सिनेमा की शान बनी हुई हैं। कौन है वो हिंदी सिनेमा की पहली अभिनेत्री, जिसकी बेटियां सुपरस्टार रही, तो वहीं उनकी नातिन ने भी सिनेमा में अपने नाम का परचम लहराया।

कौन थीं शोभना समर्थ?

आज जिस अभिनेत्री के बारे में हम बात कर रहे हैं, और जिनकी कहानी को आपसे रूबरू करा रहे हैं,असल में वो कोई और नहीं बल्कि शोभना समर्थ थीं। वही शोभना समर्थ जिन्होंने हिंदी सिनेमा में सीता बनकर अपना नाम बनाया। शोभना समर्थ का जन्म 17 नवंबर, 1916 को मुंबई में हुआ। जब उनका जन्म हुआ,तब उनका नाम सरोज शिलोत्री था। किस्सा टीवी के मुताबिक,जब शोभना समर्थ पैदा हुई थी तो डॉक्टर्स को लगा था कि बच्ची मरी हुई पैदा हुई है। बाद में शोभना समर्थ की नानी ने नोटिस किया कि बच्ची की उंगली तो हिल रही हैं। उन्होंने डॉक्टर को बताया। डॉक्टर ने तुरंत गरम पानी से इनकी सिकाई शुरू की और आखिरकार नन्ही शोभना समर्थ के हाथ-पैर ठीक से चलने लगे। शोभना के माता-पिता के कोई और संतान नहीं थी, ऐसे में उनकी परवरिश एक बेटे के बराबर ही हुई।

ऐसे फिल्मों में आईं शोभना समर्थ

उस जमाने में लड़कियों को घर में रखा जाता था लेकिन शोभना के माता-पिता खुले विचारों के थे, ऐसे में सोभना के माता-पिता ने उन्हें लाड़-प्यार से तो पाला ही साथ ही उन्हें आजादी भी दी। शोभना यानि सरोज जब बड़ी हुई तो कुछ प्रिंट विज्ञापनों में उनकी तस्वीर छपी। इस तरह धीरे-धीरे वह ग्लैमर वर्ल्ड की तरफ आने लगी।

शुरूआत में घरवालों ने इस पर आपत्ति जरूर जताई, लेकिन बाद में वो धीरे-धीरे सिनेमा की ओरबढ़ती गई। एक नाटक के बाद शोभना के मामाजी ने इस पर रोक-टोक की, लेकिन बाद में शोभना समर्थ की मां के कहने पर वो सिनेमा की ओर बढ़ गई। शोभना समर्थ ने 1935 में मराठी फिल्म निगाहें नफरत से डेब्यू किया।

सीता बनकर सिनेमा में बनाई पहचान

शोभना समर्थ ने मराठी सिनेमा से कदम रख लिया। हालांकि उन्हें असली पहचान मिली 1943 में, जब उन्होंने फिल्म राम राज्य में सीता का किरदार निभाया और हर तरफ वाहवाही लूटी। कहा जाता है कि,राम राज्य में उनके द्वारा निभाया गया माता सीता का किरदार इतना प्रभावशाली था कि लोग उन्हें असल जिंदगी में भी देवी की तरह पूजने लगे थे। यहां तक कि कहा तो यह भी जाता है कि,यह एकमात्र ऐसी फिल्म थी जिसे महात्मा गांधी ने देखा था। राम राज्य उनके जीवन की पहली और ऐसी आखिरी फिल्म थी, जिसे उन्होंने देखा था। वहीं राम राज्य के बाद शोभना समर्थ ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

हिंदी सिनेमा में उन्हें इस फिल्म ने अलग पहचान दिलाई। शोभना समर्थ उस समय की सबसे महंगी और डिमांड वाली अभिनेत्रियों में शुमार हो गईं।

शोभना की बेटियां बनीं हिंदी सिनेमा की सुपरस्टार

शोभनाम समर्थ ने डायरेक्टर कुमारसेन समर्थ से शादी की थी। शोभना और कुमारसेन के चार बच्चे हुए,जिसमें उनकी दोनों बेटियां नूतन और तनुजा ने हिंदी सिनेमा में दिग्गज अभिनेत्रियां बनीं। भले ही शोभना समर्थ ने ज्यादा फिल्में नहीं कीं, लेकिन उन्होंने अपनी बेटियों के लिए खुद ही हिंदी सिनेमा में जगह बनाई।

उन्होंने अपनी बेटी नूतन को लॉन्च करने के लिए साल 1950 में हमारी बेटी नाम की फिल्म बनाई। इसी फिल्म से नूतन ने हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया। हालांकि नूतन के साथ उनका रिश्ता ज्यादा अच्छा नहीं रहा। दरअसल शोभना ने अपनी प्रोड्क्शन कंपनी जब बनाई तो उसमें नूतन का भी हिस्सा था। नूतन जो फिल्मों से कमाती थीं उसका पैसा प्रोडक्शन कंपनी में जाता था। वहीं पैसों की लिखा-पढ़ी शोभना के पास ही होती थी, ऐसे में मां-बेटी के बीच इसी के चलते तल्खियां पैदा हुईं और दोनों में अनबन हुई। इनकम टैक्स ना भरने के चलते मां-बेटी का रिश्ता कोर्ट-कचहरी की दहलीज तक गया।

हालांकि बाद में दोनों का रिश्ता ठीक जरूर हुआ। वहीं नूतन के बाद शोभना ने तनुजा को भी अपनी फिल्म छबीली से बड़े पर्दे पर उतारा। इस फिल्म को भी उन्होंने ही बनाया था और इस फिल्म से तनुजा भी स्टार बन गईं।

शोभना समर्थ की नातिन हैं काजोल

हिंदी सिनेमा में शोभना समर्थ की बेटियों ने बड़े पर्दे पर राज किया। एक तरफ जहां नूतन सिनेमा में लंबे वक्त तक टिकी रहीं, तो वहीं नूतन के बाद उनकी छोटी बेटी तनुजा ने हिंदी सिनेमा में अपनी जगह बनाई। तनुजा ने बड़े पर्दे पर कई हिट फिल्मों में काम किया, तो वहीं नूतन भी सिनेमा का अहम हिस्सा रहीं। नूतन के बेटे मोहनिश बहल भी एक एक्टर हैं, तो वहीं उनकी पोती प्रनुतन भी हिंदी सिनेमा में एक्टिव हैं। उधर तनुजा की बेटी और शोभना समर्थ की पोती काजोल हैं,जो आज किसी पहचान की मोहताज नहीं है। काजोल कई बार अपनी नानी को याद करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट करती हैं।

शोभना समर्थ ने अपने जीवन के अंतिम वर्षों तक फिल्म जगत से नाता बनाए रखा। वो सिनेमा को करीब से देखती रहीं। वो हिंदी सिनेमा की उस नींव का हिस्सा रही, जब फिल्में बनना शुरू हुईं और जाते-जाते एक ऐसी लेगेसी सेट करके गईं, कि आज उनकी पीढ़ियां सिनेमा में राज कर रही हैं और नाम कमा रही हैं। 9 फरवरी, 2000 को कैंसर के कारण उनका निधन हो गया।

क्या प्रकाश राज ने शूटिंग के बीच छोड़ दी स्पिरिट ?

अफवाहों पर एक्टर ने लगाया विराम, खुद बता दी सच्चाई

संदीप रेड्डी वांगा की 'स्पिरिट' उन फिल्मों में शुमार है, जिनका नाम आते ही फिल्मी गलियारों में हलचल तेज हो जाती है। प्रभास और तृप्ति डिमरी स्टारर यह फिल्म पहले से ही जबरदस्त बज में है और दर्शक इसकी हर छोटी-बड़ी अपडेट पर नजर बनाए हुए हैं। तय कार्यक्रम के मुताबिक 'स्पिरिट' 7 मार्च 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है और यही वजह है कि इससे जुड़ी हर खबर सुर्खियां बन रही है। पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया और गॉसिप सर्कल्स में यह चर्चा जोरों पर थी कि दिग्गज अभिनेता प्रकाश राज ने फिल्म को बीच में ही छोड़ दिया है।

प्रकाश ने लगाया अफवाहों पर विराम

कहा जा रहा था कि उनके और फिल्म की टीम के बीच क्रिएटिव मतभेद हो गए हैं। लेकिन 9 फरवरी को खुद प्रकाश राज ने इन तमाम अटकलों पर करारा जवाब दिया और अफवाहों की हवा निकाल दी। प्रकाश राज ने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, सभी टॉक्सिक फेक न्यूज फैलाने वालों के लिए स्पिरिट फिल्म के बारे में। हमने अभी तक मेरे सीन की शूटिंग भी शुरू नहीं की है और आप व्हाट्सएप फैक्ट्रियां कहानियों पर अटकलें लगा रही हैं। बड़े हो जाओ और अपनी जिंदगी जियो।

फिल्म का हिस्सा हैं प्रकाश राज

पोस्ट के अंत में हंसने वाले इमोजी ने साफ कर दिया कि एक्टर इन अफवाहों को कितनी गंभीरता से ले रहे हैं। गौरतलब है कि प्रकाश राज को फिल्म में एक अहम किरदार निभाते हुए बताया गया है। इतना ही नहीं, फिल्म के लॉन्च वीडियो में उनकी आवाज ने पहले ही दर्शकों के बीच उत्सुकता पैदा कर दी थी। उनके किरदार को लेकर फैंस में खासा क्रेज देखने को मिल रहा है, ऐसे में उनके प्रोजेक्ट छोड़ने की खबरें स्वाभाविक तौर पर चिंता का विषय बन गई थीं।

फिल्म की कास्ट

अगर फिल्म की कास्ट की बात करें तो 'स्पिरिट' में कंचना और विवेक ओबेरॉय भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। प्रभास इस फिल्म में एक पुलिस अधिकारी का किरदार निभा रहे हैं और वह भी संदीप रेड्डी वांगा के इंटेंस और रॉ स्टाइल में। वहीं तृप्ति डिमरी फिल्म में प्रभास की लव इंटरेस्ट की भूमिका में दिखाई देंगी। खास बात यह है कि इस रोल के लिए पहले दीपिका पादुकोण का नाम चर्चा में था, लेकिन बाद में तृप्ति को फाइनल किया गया।

वायरल हुआ था पोस्टर

'स्पिरिट' भूषण कुमार की टी-सीरीज और संदीप रेड्डी वांगा की भद्रकाली पिक्चर्स का कोलैबोरेशन है, जो अपने आप में बड़ी उम्मीदें पैदा करता है। 1 जनवरी को संदीप रेड्डी वांगा ने फिल्म का पहला लुक पोस्टर रिलीज किया था, जिसने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया। पोस्टर में प्रभास लंबे बालों और दाढ़ी-मूंछ के साथ, बिना शर्ट के कैमरे की तरफ पीठ किए खड़े नजर आए। उनके शरीर पर चोटों के निशान और बंधी पट्टियां फिल्म के रॉ और हिंसक टोन की झलक देती हैं। उनके पास खड़ी तृप्ति उन्हें सिगरेट जलाते हुए दिखती हैं, एक फ्रेम, जिसने कई सवाल और थ्योरीज को जन्म दे दिया।

रिलीज की गई थी साउंड स्ट्रोरी

इतना ही नहीं, पिछले साल प्रभास के जन्मदिन पर संदीप रेड्डी वांगा ने फिल्म की पहली 'साउंड स्टोरी' शेयर की थी। इसमें जेल के माहौल में एक जेलर और उसका असिस्टेंट एक पूर्व पुलिस अधिकारी के बारे में बात करते हैं, जो रिमांड पर है। बैकग्राउंड में प्रभास की भारी आवाज सुनाई देती है, सर, बचपन से मेरी एक बुरी आदत है, यह लाइन और उसका दोहराव फिल्म के किरदार की मानसिकता की झलक देता है।

इस फिल्म में नजर आए थे प्रकाश राज

वर्क फ्रंट की बात करें तो प्रकाश राज आखिरी बार हिंदी फिल्म 'तेरे इश्क में' में नजर आए थे, जिसमें उन्होंने धनुष के पिता का किरदार निभाया था। आनंद एल राय के निर्देशन में बनी इस फिल्म में कृति सेनन भी अहम भूमिका में थीं और यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है।

वैलेंटाइन वीक में मिस नहीं करने वालीं 7 रोमांटिक फिल्में

वेलेंटाइन वीक की शुरुआत हो चुकी है,जिसे लेकर लवर्स के बीच खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। अगर आप अपने दिन को खास बनाने के लिए बाहर नहीं जाना चाहते हैं तो घर बैठे बॉलीवुड की ये 7 रोमांटिक फिल्में देख सकते हैं।

प्यार का हफ्ता शुरू हो गया है। वैलेंटाइन डे प्यार के सभी दिनों को सेलिब्रेट करने का एकदम सही वक्त होता है। बॉलीवुड में दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानियों से लेकर गानों तक की कोई कमी नहीं है,जिन्हें सभी पीढ़ियों के लोग पसंद करते हैं। यहां कुछ आइकॉनिक बॉलीवुड रोमांटिक फिल्मों के नाम दिए गए हैं, जिन्हें आप इस वैलेंटाइन पर देख सकते हैं। अपने दिन को खास बनाने के लिए कपल्स डेट प्लान करते हैं, लेकिन अगर आप घर पर ही अपने वैलेंटाइन वीक को रोमांटिक बनाने का प्लान कर रहे हैं तो आप घर बैठे अपने पार्टनर के साथ कुछ बेहतरीन फिल्मों का लुत्फ उठा सकते हैं।

1. दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे

1995 में रिलीज हुई शाहरुख खान और काजोल की रोमांटिक फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे आज भी दर्शकों की पसंदीदा बनी हुई है, जिसे आईएमडीबी पर 8 रेटिंग मिली है। इस फिल्म में दिखाया जाता है कि राज और सिमरन यूरोप में एक यात्रा के दौरान मिलते हैं और दोनों को एक-दूसरे से प्यार होता है, जब राज को पता चलता है कि सिमरन की सगाई हो चुकी है तो वह सिमरन और उसके पिता का दिल जीतने के लिए भारत आता है। इसकी कहानी बहुत ही शानदार है, जो आपको हमेशा याद रहने वाली है। ये फिल्म आप अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

2. जब वी मेट

2007 में आई बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा रोमांटिक कॉमेडी फिल्मों में से एक जब वी मेट है, जिसमें शाहिद कपूर और करीना कपूर खान की यादगार जोड़ी है। यह फिल्म आदित्य नाम के एक टूटे दिल वाले बिजनेसमैन की कहानी बताती है, जो ट्रेन के सफर में गीत नाम की एक जिंदादिल और बातूनी लड़की से मिलता है। इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित जब वी मेट अपने दिल को छू लेने वाले डायलॉग्स, यादगार गानों और कई और चीजों के लिए मशहूर है। यह इस वैलेंटाइन वीक में अपने पार्टनर के साथ देखने के लिए एकदम सही फील-गुड फिल्म है। अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध इस फिल्म को आईएमडीबी पर 7.9 रेटिंग मिली है।

3. वीर-जारा

7.8 रेटिंग वाली वीर-जारा भी इस लिस्ट में शामिल है, जिसका निर्देशन और निर्माण यश चोपड़ा ने किया है। लेखन और निर्माण उनके बेटे आदित्य चोपड़ा ने किया है। इसमें शाहरुख खान और प्रीति जिंटा की रोमांटिक कहानी को दिखाया गया है। ये फिल्म आप नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं। इसमें देखने को मिलता है कि कैसे भारतीय पायलट वीर और एक पाकिस्तानी लड़की जारा को प्यार हो जाता है, जब वीर को पाकिस्तानी जेल में बंदी बनाया जाता है तो जारा उसे मृत मान लेती है और भारत आकर उसके गांव में रहने लगती है। इस फिल्म में दोनों को रानी मुखर्जी मिलती है।

4. ये जवानी है दीवानी

2013 में बनी इस भारतीय हिंदी भाषा की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी ने किया है और हुसैन दलाल ने लिखी है। अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध ये जवानी है दीवानी को आईएमडीबी पर 7.3 रेटिंग मिली है। इसमें कबीर और नैना ट्रिप पर मिलते हैं और इससे पहले कि नैना प्यार का इजहार करें कबीर, करियर बनाने के लिए भारत छोड़ देता है। वे सालों बाद मिलते हैं और साथ में रहने लगते हैं।

5. सीता रामम

अमेजन प्राइम वीडियो की सबसे बेहतरीन रोमांटिक फिल्मों में से एक सीता रामम को आईएमडीबी पर 8.5 मिले थे। पाकिस्तान लौटने पर आफरीन राम से सीता को एक पत्र देने की अपने दादा की इच्छा को पूरा करने के लिए तैयार हो जाती है। रास्ते में वह राम को ढूंढती है और उनकी प्रेम कहानी के बारे में जानती है। सीता रामम 2022 की हनु राघवपुड़ी द्वारा लिखित और निर्देशित भारतीय तेलुगु-भाषा की रोमांटिक ड्रामा फिल्म है।

6. आशिकी 2

आदित्य रॉय कपूर और श्रद्धा कपूर स्टारर आशिकी 2 आप अमेजन प्राइम वीडियो पर इस वैलेंटाइन देख सकते हैं, जिसे 7.1 रेटिंग मिली है। मोहित सूरी द्वारा निर्देशित 2013 की ये फिल्म अपने बेहतरीन गानों के कारण भी सबसे ज्यादा चर्चा में रही है।

7. हम आपके हैं कौन

इस लिस्ट में माधुरी दीक्षित और सलमान खान की रोमांटिक फिल्म हम आपके हैं कौन भी है, जो आज भी लोग देखना पसंद करते हैं। इसका निर्माण सूरज बड़जात्या ने 1994 में किया था। इसे आईएमडीबी पर 7.5 रेटिंग मिली है। ये फिल्म आप घर बैठे जी5 पर देख सकते हैं। ये भाईजान के करियर की उन बेहतरीन मूवीज में से एक है, जो बॉक्स ऑफिस पर भी कमाल कर चुकी है।

रिटायरमेंट के बाद भी क्या आमिर खान के लिए गाना गा रहे अरिजीत सिंह ?

आमिर खान ने अरिजीत सिंह के साथ उनके होमटाउन में चार दिन गुजारे। इसके बाद आमिर ने अरिजीत के लिए एक खास पोस्ट अपने प्रोडक्शन के इंस्टाग्राम पेज के जरिए साझा किया है,जिसने खलबली मचा दी है। बॉलीवुड में जब भी किसी आवाज का जिक्र होता है जो सीधे दिल तक उतर जाए तो अरिजीत सिंह का नाम सबसे पहले लिया जाता है। यही वजह है कि जब उन्होंने प्लेबैक सिंगिंग से रिटायरमेंट की घोषणा की थी तो इंडस्ट्री और फैंस दोनों के लिए यह खबर किसी झटके से कम नहीं थी, लेकिन अब इस ऐलान के कुछ ही हफ्तों बाद अरिजीत ने एक ऐसा कदम उठाया है जिसने हर तरह की अटकलों पर विराम लगा दिया है। उन्होंने आमिर खान की आने वाली फिल्म 'एक दिन' के लिए अपनी आवाज दी है।

अरिजीत ने जनवरी में किया था संन्यास का ऐलान

जनवरी 2026 के आखिरी दिनों में अरिजीत सिंह ने सोशल मीडिया के जरिए बताया था कि वह अब फिल्मों के लिए कोई नया प्लेबैक सिंगिंग असाइनमेंट नहीं लेंगे। उन्होंने साफ शब्दों में कहा था कि यह सफर शानदार रहा, लेकिन अब वह इसे यहीं रोकना चाहते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया था कि वह म्यूजिक से पूरी तरह दूर नहीं जा रहे, इंडिपेंडेंट म्यूजिक बनाना जारी रहेगा और जो प्रोजेक्ट्स पहले से कमिटेड हैं, वे समय पर रिलीज होंगे।

आमिर पहुंचे अरिजीत के घर

इस घोषणा के तुरंत बाद एक दिलचस्प घटनाक्रम सामने आया। आमिर खान अपने हर प्रोजेक्ट में परफेक्शन के लिए जाने जाते हैं, अचानक वेस्ट बंगाल के जियागंज पहुंचे,सीधे अरिजीत सिंह के पैतृक घर। यह मुलाकात ज्यादातर प्राइवेट रही, लेकिन जैसे ही इसकी खबर बाहर आई, कयासों का बाजार गर्म हो गया। क्या आमिर खान अरिजीत को प्लेबैक सिंगिंग से रिटायरमेंट का फैसला बदलने के लिए मनाने आए थे? क्या किसी नए प्रोजेक्ट पर बातचीत चल रही थी? सवाल कई थे, जवाब नहीं।

अरिजीत गाएंगे आमिल के लिए गाना

अब 9 फरवरी को इन सभी अटकलों पर खुद आमिर खान प्रोडक्शंस ने मुहर लगा दी। प्रोडक्शन हाउस ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की, जिसमें आमिर खान और अरिजीत सिंह बातचीत करते नजर आ रहे हैं। अरिजीत के हाथ में गिटार है और आमिर उन्हें अपने फोन पर कुछ दिखा रहे हैं। तस्वीर के साथ लिखा गया, हमारी फिल्म एक दिन के लिए अपनी आवाज देने के लिए धन्यवाद, अरिजीत। आपके, आपके परिवार और आपकी टीम के साथ बिताए चार दिन जादुई थे। एक दिन के म्यूजिक में इतना दिल डालने के लिए धन्यवाद, अरिजीत। लव, ए।

खेल समाचार

जिम्बाब्वे ने ओमान को 8 विकेट से हराया

ब्रायन बेनेट ने नाबाद 41 रन बनाए मुजरबानी,नगारवा और इवांस को 3-3 विकेट

कोलंबो,09 फरवरी 2026। जिम्बाब्वे ने टी-20 वर्ल्ड कप में जीत से शुरुआत की है। टीम ने सोमवार के दूसरे मैच में ओमान को 8 विकेट से हराया। इसी के साथ टीम ग्रुप बी की पॉइंट्स टेबल के पहले स्थान पर आ गई है। श्रीलंका दूसरे नंबर पर है।

कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। ओमान पहले बैटिंग करते हुए 19.5 ओवर में 103 रन पर ऑलआउट हो गई।

104 रन का टारगेट जिम्बाब्वे ने 13.3 ओवर में 2 विकेट पर हासिल कर लिया। ओपनर ब्रायन बेनेट 36 बॉल पर 48 रन की पारी खेली। इस पारी में 7 चौके शामिल रहे। ब्रेंडन टेलर 31 रन पर रिटायर हर्ट हो गए। तदिवानाशे मारुमनी ने 21 रन बनाए। सुफियान टेलर ने 2 विकेट झटके।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

जिम्बाब्वे:- ब्रायन बेनेट, तदिवानाशे मारुमनी, डायोन मायर्स, ब्रेंडन टेलर (विकेटकीपर), सिकंदर रजा (कप्तान), रायन बर्ल, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्रैड इवांस, वेलिंगटन मसाकाद्ज़ा, रिचर्ड नगारवा और ब्लेसिंग मुजरबानी।

ओमान:- जतिंदर सिंह (कप्तान), आमिर कलीम, हम्माद मिर्जा, वसीम अली, करण सोनावले, विनायक शुक्ला (विकेटकीपर), सूफियान महमूद, जितेन रामानंदी, नदीम खान, शाह फैसल और शकील अहमद।

बॉब बैफ़र्ट की पहली ग्रूप 1 जीत की चुनौती

रियाध,09 फरवरी 2026। हॉल ऑफ़ फ़ेम ट्रेनर बॉब बैफ़र्ट अगले हफ़्ते किंग अब्दुलअज़ीज़ रेसकोर्स में ग्रुप वन 20 मिलियन सऊदी कप में पहली जीत हासिल करने के मिशन पर लौट रहे हैं, यह एक ऐसी रेस है जिसे वह अपनी बड़ी अंतरराष्टीय सफलताओं के पोर्टफोलियो में शामिल करने के लिए दृढ़ हैं। ब्रीडर्स कप डर्ट माइल के विजेता नाइसोस 14 फरवरी को होने वाली मुख्य रेस में ग्रुप वन गुडवुड स्टेक्स के विजेता नेवाडा बीच के साथ शामिल होंगे, और बैफ़र्ट पिछले साल के विजेता फॉरएवर यंग का सामना करने की चुनौती का आनंद ले रहे हैं। बैफ़र्ट ने कहा, मुझे लगा था कि मैं पहले जीत सकता हूँ, लेकिन सऊदी कप के बारे में बात यह है कि जब भी मैं इसे देखता हूँ, तो मुझे लगता है कि मैं जीत गया हूँ, लेकिन अचानक वे 100-मीटर का निशान दिखाते हैं और यार, उस 100-मीटर के निशान के बाद मैंने बहुत सारा पैसा खो दिया। वह 100-मीटर का निशान मेरे लिए जानलेवा है। हम हमेशा 100 मीटर पर आगे रहते हैं और फिर मुझे लगता है कि अरे नहीं, यह अच्छा नहीं है, अभी भी 100 मीटर बाकी हैं। हम बहुत करीब आकर हार गए

मल्टी-फॉर्मेट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंची भारतीय महिला क्रिकेट टीम

सिडनी,09 फरवरी 2026। भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमों के बीच 15 फरवरी से मल्टी-फॉर्मेट सीरीज की शुरुआत होगी, जिसके लिए टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया पहुंच गई है। सोमवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) विमेन ने एक वीडियो जारी किया, जिसमें भारतीय क्रिकेटर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर काफी उत्साहित नजर आ रही हैं। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के इस दौरे पर 3 टी20 मैच, 3 वनडे और एक टेस्ट मैच खेलेगी। हरमनप्रीत कौर सभी फॉर्मेट में भारत की कप्तानी करेंगी,जबकि स्मृति मंधाना उप-कप्तान होंगी।

टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के दूसरी बार विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) खिताब जीतने के बाद हुए जश्न और नेशनल ड्यूटी पर वापस आने के बारे में बात की। मंधाना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बीसीसीआई की तरफ से जारी किए गए वीडियो में कहा, मैं बहुत व्यस्त थी। हमने बहुत मजे किए, लेकिन अब नेशनल ड्यूटी पर वापस आ गए हैं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमों के बीच पहला टी20 मैच सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर 15 फरवरी को खेला जाएगा, जिसके बाद दूसरा टी20 मैच कैनबरा के मनुका ओवल में 19 फरवरी को आयोजित होगा। सीरीज का अंतिम मैच एडिलेड ओवल में 21 फरवरी को होगा। जून से विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत होगी। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध यह टी20 सीरीज महत्वपूर्ण तैयारी का हिस्सा होगी। 12 जून से 5 जुलाई के बीच विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 का आयोजन होगा।

टी20 सीरीज के बाद 24 फरवरी से वनडे सीरीज की शुरुआत होगी। पहला मैच ब्रिस्बेन में खेला जाएगा। इसके बाद टीमें होबार्ट के बेलेरिव ओवल में दूसरा वनडे मैच खेलेंगी। सीरीज का अंतिम मैच 1 मार्च को इसी मैदान पर खेला जाना है। यह ऑस्ट्रेलिया की दिग्गज खिलाड़ी एलिसा हीली की आखिरी सीरीज भी होगी, क्योंकि उन्होंने घोषणा की है कि वह भारत के इस दौरे के बाद सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लेंगी। दोनों देशों के बीच 6 मार्च से पर्थ में एकमात्र टेस्ट खेला जाएगा।

शाह ने बस्तर पंडुम के विजेताओं को किया गया सम्मानित...बस्तर की संस्कृति को नए प्राण देने का कार्य कर रही छत्तीसगढ़ सरकार

भारत की संस्कृति का आभूषण है बस्तर : अमित शाह

रायपुर,09 फरवरी 2026। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि बस्तर भारत की संस्कृति का आभूषण है। बस्तर पण्डुम के माध्यम से यहां की संस्कृति और गौरवशाली परंपरा को छत्तीसगढ़ सरकार ने नए प्राण देने का काम किया। बस्तर पंडुम 2026 के सभी विजेताओं को केंद्रीय गृहमंत्री शाह और मुख्यमंत्री साय ने सम्मानित किया। केंद्रीय गृहमंत्री ने बताया कि इसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले लोक कलाकारों को राजधानी दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में आमंत्रित किया जाएगा,जहां उन्हें अपनी कला का प्रदर्शन करने और सहभोज करने का अवसर भी मिलेगा। केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने जनजातीय कला एवं संस्कृति का संरक्षण और संवर्धन तथा जनजातीय प्रकृति व परंपरा का उत्सव बस्तर पण्डुम के तीन दिवसीय संभाग स्तरीय आयोजन के समापन अवसर पर आज जगदलपुर के लालबाग मैदान में आयोजित समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बस्तर संभाग के 07 जिले के 32 जनपद पंचायतों और 1885 ग्राम पंचायतों के 53 हजार से अधिक लोक कलाकारों ने 12 विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इन्हीं लोक संस्कृति को आगे बढ़ाने का कार्य बस्तर पण्डुम 2026 के माध्यम से राज्य की सरकार द्वारा किया जा रहा है।

40 गांवों के स्कूलों में गोलियों की आवाज की जगह स्कूल की घंटियां सुनाई देती है : केन्द्रीय गृहमंत्री ने कहा कि नियद नेल्ला नार योजना के तहत प्रदेश सरकार लगातार माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में रोडमैप तैयार कर सड़क, पुल पुलिया, मोबाईल टॉवर स्थापित करने के साथ-साथ राशन वितरण, शुद्ध पेयजल, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड बना रही है। केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि बस्तर संभाग के माओवाद प्रभावित गांवों में लाल आतंक के चलते विकास से कोसों दूर थे, वहां के 40 गांवों में स्कूल फिर से खोले गए। अब वहां गोलियों की आवाज की जगह स्कूल की घंटियां सुनाई देती हैं। दंतेवाड़ा, सुकमा और बीजापुर जिले में 02 लाख 75 हजार एकड़ जिले में सिंचाई के लिए 220 मेगावॉट बिजली उत्पादन का कार्य शीघ्र प्रारंभ शाह ने मंच से जानकारी दी कि बस्तर जिले में 118 एकड़ में औद्योगिक क्षेत्र स्थापित किया जाएगा तथा पर्यटन को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके अलावा दंतेवाड़ा, सुकमा और बीजापुर जिले में 02 लाख 75 हजार एकड़ में सिंचाई के लिए 220 मेगावॉट बिजली उत्पादन का कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। वहीं दूरस्थ अंचलों को मुख्यालयों से जोड़ने के लिए रेल परियोजनाओं और नदी जोड़ो परियोजना को विस्तार दिया जाएगा।

बस्तर के विकास की चर्चा देश भर में : मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि बस्तर अब संभावनाओं की भूमि बन चुकी है। यह नए भारत का नया बस्तर है। प्रधानमंत्री जी के प्रयासों से बस्तर के विकास की चर्चा देश भर में हो रही है। उन्होंने कहा कि पहले बस्तर की चर्चा देश भर में माओवादी के नाम से होती थी, किन्तु अब बस्तर की संस्कृति, पर्यटन और समृद्ध विरासत की चर्चा होने लगी है।

आदिवासी संस्कृति और पारंपरिक विरासतों को पुनर्जीवित करने धरती आबा योजना : शाह

शाह ने कहा कि बस्तर जैसी संस्कृति विश्व के किसी देश में नहीं है और इसे प्रभु राम के समय से संजोकर यहां के लोगों ने अक्षुण्ण बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के 700 से अधिक जनजातियों की आदिवासी संस्कृति और पारंपरिक विरासतों को पुनर्जीवित करने धरती आबा योजना और पीएम जनमन योजना जैसी अनेक योजनाएं लागू की। शाह ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि हमारी लड़ाई किसी से नहीं बल्कि यहां की भोली-भाली आदिवासी जनता को सुरक्षा देना है। माओवाद उन्मूलन की समय सीमा अभी भी वही है। जवानों के अदम्य साहस और बहादुरी से 31 मार्च 2026 तक हो माओवाद को घुटने टेकने पड़ेंगे। उन्होंने प्रदेश में संचालित की जा रही नक्सल पुनर्वास नीति की सराहना करते हुए कहा कि पुनर्वास केंद्रों में उन्हें रोजगारमूलक और सृजनात्मक गतिविधियों से भी जोड़ा जा रहा है।

बस्तर पंडुम एक आयोजन बस नहीं है,यह बस्तर की पहचान का उत्सव : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बस्तर पंडुम के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि माता दंतेश्वरी से ही बस्तर की पहचान है। बस्तर पंडुम एक आयोजन बस नहीं है, बल्कि यह बस्तर की पहचान का उत्सव है। उन्होंने छत्तीसगढ़ और विशेष रूप से बस्तर के प्रति गृह मंत्री अमित शाह के स्नेह और लगाव के लिए आभार जताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली बार भी शाह की मौजूदगी ने बस्तरवासियों का हौसला बढ़ाया था और आज फिर उनकी उपस्थिति ने कलाकारों और यहां के लोगों में नई ऊर्जा भर रही है।

समृद्ध संस्कृति को देश-दुनिया के सामने लाने बस्तर पंडुम का आयोजन

साय ने कहा कि बस्तर की समृद्ध संस्कृति को देश-दुनिया के सामने लाने बस्तर पंडुम में भाग लेने वाले सभी कलाकारों, प्रतिभागियों को बधाईयां। मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले वर्ष 47 हजार कलाकारों ने बस्तर पंडुम में भाग लिया और इस वर्ष 54 हजार से अधिक कलाकारों ने इसमें हिस्सा लिया है और बस्तर की संस्कृति,खान-पान,वेशभूषा, स्थानीय साहित्य, लोकनृत्य, गीत,शिल्प,बस्तरिया पेय,औषधि चित्रकला, वाद्ययंत्र,नाटक की विद्या सहित 12 विद्याओं का प्रदर्शन कलाकारों के द्वारा किया गया। बस्तर पंडुम के माध्यम से बस्तर की समृद्ध संस्कृति को देश-दुनिया के समक्ष प्रदर्शित करने और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का काम किया गया।

बस्तर तरक्की की एक नई सुबह देखने को मिल रही है : मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बस्तर की सुंदर धरती लंबे समय तक नक्सलवाद की पीड़ा से गुजरी है। गौर, माड़िया, मुरिया, भतरा, धुरवा, गोंड जैसे विभिन्न नृत्य की लय धीमी पड़ गई थी, मांदर की थाप खामोश हो गई थी, लेकिन आज बस्तर बदल रहा है। यहां तरक्की की एक नई सुबह देखने को मिल रही है। साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में केंद्र और राज्य सरकार मिलकर नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ रही है और मार्च 2026 तक नक्सलवाद को जड़ से खत्म करेंगे।

आत्म समर्पण नीति के तहत सम्मान के साथ पुनर्वास : मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे पुलिस और सुरक्षा बलों के जवानों ने घने जंगलों में, विपरीत परिस्थितियों में, अपनी जान की परवाह किए बिना नक्सलवाद पर कड़ा प्रहार कर रहे हैं। नियद नेल्ला नार - (आपका अच्छा गांव) योजना के माध्यम से सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाएं गांव में पहुंचाई हैं। आत्मसमर्पण नीति को और अधिक मानवीय और संवदेनशील बनाया है, जो लोग हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटना चाहते हैं, उनका सम्मान के साथ पुनर्वास कराया जा रहा है।

5 साल बाद बढ़ाया गया परीक्षा शुल्क...अब 10वीं-12वीं के छात्रों को देने होंगे इतने रुपये,आदेश जारी

रायपुर,09 फरवरी 2026। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने करीब 5 साल बाद 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के शुल्क में बढ़ोतरी की है। यह बढ़ा हुआ शुल्क शैक्षणिक सत्र 2026-27 से लागू होगा। नए प्रावधान के तहत नियमित परीक्षार्थियों को अब बोर्ड परीक्षा,अंकसूची और प्रति विषय प्रैक्टिकल शुल्क मिलाकर 800 रुपए चुकाने होंगे,जबकि पहले इसके लिए 460 रुपए देने पड़ते थे। बोर्ड परीक्षा के आवेदन फॉर्म के शुल्क में भी 70 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। पहले जहां आवेदन शुल्क 80 रुपए था, अब इसे बढ़ाकर 150 रुपए कर दिया गया है। हालांकि, प्रवेश पत्र की द्वितीय प्रति के शुल्क में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसके लिए पहले की तरह 80 रुपए ही देने होंगे।

कार्यपालिका समिति की बैठक में लिया गया फैसला

10वीं और 12वीं परीक्षा शुल्क में बढ़ोतरी का निर्णय माशिमं की कार्यपालिका समिति की बैठक में लिया गया। समिति ने करीब 22 मदों के शुल्क बढ़ाने को मंजूरी दी है। इनमें नामांकन शुल्क, अतिरिक्त विषय, एक विषय या दो विषय (द्वितीय मुख्य/अवसर परीक्षा),स्वाध्यायी छात्रों के पंजीयन और अनुमति शुल्क समेत अन्य मद शामिल हैं।

स्वाध्यायी छात्रों पर भी पड़ेगा असर

प्रदेश के स्वाध्यायी एससी/एसटी छात्रों के पंजीयन और अनुमति शुल्क में भी लगभग डेढ़ गुना वृद्धि की गई है। पहले जहां इसके लिए 560 रुपए देने होते थे,अब 800 रुपए चुकाने होंगे। वहीं,राज्य के नए छात्रों और राज्य से बाहर के छात्रों के पंजीयन और अनुमति शुल्क में भी बढ़ोत्तरी की गई है। पहले यह शुल्क 1,540 रुपए था, जिसे अब बढ़ाकर 2,000 रुपए कर दिया गया है।

सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता...जंगलों में नक्सलियों के डंप किये गए बीजीएल सेल विस्फोटक सामग्री बरामद

सुकमा,09 फरवरी 2026। जिले के कैंप रायगुडेम क्षेत्र में सुरक्षा बलों को नक्सल विरोधी अभियान के दौरान बड़ी सफलता मिली है। 9 फरवरी 2026 को चलाए गए सर्च ऑपरेशन में नक्सलियों द्वारा छुपाकर रखा गया बीजीएल सेल विस्फोटक डंप बरामद किया गया, जिससे सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की साजिश को नाकाम कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, जिले में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में लगातार एंटी नक्सल ऑपरेशन संचालित किया जा रहा है। इसी कड़ी में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर कैंप रायगुडेम से एफ कंपनी, QAT 223 वाहिनी सीआरपीएफ और जिला पुलिस बल सुकमा की संयुक्त टीम ग्राम रायगुडेम के आसपास जंगल और पहाड़ी क्षेत्र में सर्चिंग के लिए रवाना हुई थी। अभियान के दौरान ग्राम रायगुडेम और वाटेवागु नाला के बीच जंगल क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा सुरक्षा बलों को भारी नुकसान पहुंचाने की नीयत से छुपाकर रखी गई विस्फोटक सामग्री बरामद की गई। इस कार्रवाई से माओवादियों के मंसूबों पर पानी फिर गया। अभियान के बाद सभी जवान सुरक्षित कैंप वापस लौट आए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में चल रहे लगातार अभियानों से नक्सल संगठन को भारी नुकसान हो रहा है और आगे भी नक्सल उन्मूलन अभियान जारी रहेगा। साथ ही माओवादियों से हिंसा का रास्ता छोड़कर शांति और विकास के मार्ग को अपनाने तथा 'पूना मार्गेम पुनर्वास एवं पुनर्जीवन अभियान' में शामिल होने की अपील की गई है।

नाले में हाथ देख लोगों में मचा हड़कंप...जेसीबी से स्लैब तोड़ी तो निकला जिंदा इंसान,कई दिनों से था अंदर!

रायपुर,09 फरवरी 2026। बिलासपुर के पुराने बस स्टैंड के पास एक नाले से एक युवक का हाथ बाहर निकला, जिसे देखकर लोगों को पहले लाश होने का शक हुआ, लेकिन बाद में पता चला कि वह जिंदा है। युवक की पहचान राम कुमार चौहान के रूप में हुई है, जो जोंधरा क्षेत्र का रहने वाला बताया जा रहा है। वह करीब 32 से 34 वर्ष का है और पांच दिनों से नाले में फंसा होने की बात कह रहा है।

जांच कर रही पुलिस

सूचना मिलने पर नगर निगम और पुलिस की टीम ने जेसीबी की मदद से नाले की स्लैब तोड़कर उसे बाहर निकाला। युवक की मानसिक स्थिति को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं क्योंकि वह पूछताछ के दौरान भटककर जवाब दे रहा था और कभी-कभी हंसी-मजाक जैसी बातें कर रहा था। पुलिस उसके परिजनों की तलाश कर रही है और घटना की जांच कर रही है।

चश्मदीदों ने बताई पूरी बात

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नाले की स्लैब के नीचे एक युवक फंसा हुआ था। वह अपना हाथ बाहर निकालकर लगातार मदद की गुहार लगा रहा था। शुरुआत में राहगीरों को समझ नहीं आया कि मामला क्या है। जब युवक की आवाज साफ सुनाई दी, तो लोग घबरा गए और तुरंत नगर निगम व पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही नगर निगम और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। हालात को देखते हुए जेसीबी मशीन बुलाई गई। मशीन की मदद से नाले की स्लैब तोड़ी गई।

हाथ देख हैरत में पड़े लोग

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर शहर में हुई इस घटना ने लोगों को हैरान कर दिया। पुराने बस स्टैंड के पास बने नाले से अचानक एक युवक का हाथ बाहर निकलता दिखाई दिया। पहली नजर में राहगीरों को लगा कि शायद कोई लाश फंसी हुई है। लेकिन अगले ही पल वहां से मदद की आवाजें आने लगीं, जिससे पता चला कि नाले में फंसा शख्स जिंदा है।

अजीब बातें करने लगा युवक

काफी मशक्कत के बाद युवक को बाहर निकाला गया। रेस्क्यू के दौरान कई लोग वहीं खड़े रहे और हर किसी की नजरें उसी पर टिकी थीं कि युवक आखिर किस हालत में बाहर आएगा। बाहर निकलने के बाद युवक ने अपना नाम राम कुमार चौहान,पिता फूलसाय चौहान बताया। उसने खुद को जोंधरा क्षेत्र का रहने वाला कहा। युवक की उम्र करीब 32 से 34 वर्ष के बीच बताई जा रही है। हालांकि, पूछताछ के दौरान उसकी बातें ठीक से समझ नहीं आईं। कभी वह सवालों के जवाब भटककर देता दिखा, तो कभी अचानक हंसी-मजाक जैसी बातें करता रहा। इसी वजह से उसकी मानसिक स्थिति को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

पांच दिन से फंसे होने का दावा

स्थानीय लोगों ने दावा किया कि वह युवक पिछले 5 दिनों से नाले में फंसा हुआ था। खुद युवक ने भी यही दावा किया है। हालांकि पुलिस, प्रशासन या नगर निगम ने इस बात की पुष्टि नहीं की है। बड़ा सवाल ये है कि अगर मान लिया जाए कि युवक 5 दिन से नाले में फंसा था, तो वह जिंदा कैसे रहा? दूसरा, युवक पूरी तरह से स्वस्थ है यानी कि वह घायल भी नहीं है।

शराब घोटाला केस...सौम्या चौरसिया को हाईकोर्ट जाने के निर्देश चैतन्य की जमानत पर सुप्रीम कोर्ट में एक हफ्ते बाद होगी सुनवाई

रायपुर,09 फरवरी 2026। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में चैतन्य बघेल की जमानत को चुनौती देने वाली छत्तीसगढ़ सरकारी की याचिका पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस एन.वी. अंजारिया की पीठ मामले में अब एक सप्ताह बाद सुनवाई करने की बात कही है। वहीं, सौम्या चौरसिया को हाईकोर्ट जाने के निर्देश। सरकार की ओर से सीनियर एडवोकेट महेश जेठमलानी ने पैरवी करते हुए कोर्ट को बताया कि, चैतन्य बघेल को जमानत मिलने के बाद एक अहम गवाह सामने नहीं आ रहा है। उन्होंने तर्क दिया कि ऐसी स्थिति में जांच प्रभावित हो सकती है। जेठमालानी ने चैतन्य की जमानत आदेश पर पुनर्विचार करने की बात रखी।

सौम्या चौरसिया को हाईकोर्ट जाने के निर्देश : सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में पूर्व मुख्यमंत्री की उप सचिव रही सौम्या चौरसिया की याचिका पर भी सुनवाई की। कोर्ट ने उन्हें राहत देने के बजाय छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट का रुख करने का निर्देश दिया। चौरसिया को कथित शराब घोटाले से जुड़े मामले में ईडी ने पिछले साल दिसंबर में गिरफ्तार किया था। उनकी ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने दलील दी है कि, एजेंसियां नई-नई एफआईआर दर्ज कर बार-बार गिरफ्तारी कर रही हैं। अब तक उन्हें 6 बार हिरासत में लिया जा चुका है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह पहले हाईकोर्ट में जमानत याचिका दायर करें। साथ ही हाईकोर्ट को उनकी याचिका पर प्राथमिकता से सुनवाई करने कहा है। ईडी के अनुसार, 2019 से 2022 के बीच हुए कथित शराब घोटाले से राज्य को भारी आर्थिक नुकसान हुआ और एक शराब सिंडिकेट को फायदा पहुंचा। एजेंसी का दावा है कि चैतन्य बघेल इस सिंडिकेट के प्रमुख थे और करीब 1000 करोड़ रुपए की राशि संभाली। वहीं सीबी/ईओडब्ल्यू का कहना है कि घोटाले की कुल रकम 3500 करोड़ रुपए से ज्यादा हो सकती है। इसमें कई लोगों ने मिलकर अपराध से कमाई गई राशि का प्रबंधन किया।

11 फरवरी को होगी साय कैबिनेट की बैठक विधानसभा सत्र,बजट और विकास से जुड़े कई विषयों पर हो सकती है चर्चा...

रायपुर,09 फरवरी 2026। छत्तीसगढ़ में साय कैबिनेट की अगली बैठक 11 फरवरी को होगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय के मंत्रिपरिषद कक्ष में सुबह 11 बजे से शुरू होगी। जिसमें आगामी विधानसभा सत्र के कार्यक्रमों, प्रशासनिक फैसलों और कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा होने की संभावना है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, बैठक में वित्त, अवसंरचना, कृषि, उद्योग, ऊर्जा समेत अन्य प्रमुख विभागों के कई जरूरी एजेंडा पेश किए जाएंगे।

योजनाओं का होगा मूल्यांकन : इस बैठक में राज्य में चल रही कई जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति का विस्तृत मूल्यांकन किया जाएगा। साथ ही, बजट में शामिल होने वाली नई नीतियों और परियोजनाओं पर भी निर्णय की प्रक्रिया तेज की जा सकती है। सरकार के विकास रोडमैप को गति देने के लिए निवेश आकर्षण, रोजगार सृजन, औद्योगिक विकास और बुनियादी ढांचा उन्नयन से जुड़े प्रस्ताव भी मेज पर आ सकते हैं।

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला,रिटायरमेंट के 6 माह बाद जीपीएफ से वसूली अवैध

बिलासपुर,09 फरवरी 2026। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सेवानिवृत्त शासकीय कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुए स्पष्ट किया है कि रिटायरमेंट के छह माह बीत जाने के बाद सामान्य भविष्य निधि से किसी भी प्रकार की वसूली कानूनन अवैध है। कोर्ट ने इस आधार पर एक रिटायर्ड लेक्चरर के खिलाफ 12 साल बाद जारी किए गए वसूली आदेश को निरस्त कर दिया। यह फैसला जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ निवासी सेवानिवृत्त व्याख्याता लक्ष्मी नारायण तिवारी की याचिका पर सुनाया गया। याचिकाकर्ता 31 जनवरी 2011 को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ससहा से सेवानिवृत्त हुए थे। इसके बावजूद महालेखाकार (एजी) कार्यालय रायपुर द्वारा वर्ष 2023 में उनके जीपीएफ खाते में ऋणात्मक शेष दर्शाते हुए वसूली आदेश जारी किया गया था। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय एवं ऋषभदेव साहू ने दलील दी कि छत्तीसगढ़ सिविल सेवा पेंशन नियम, 1976 के नियम 65 के अनुसार जीपीएफ से संबंधित किसी भी प्रकार की वसूली सेवानिवृत्ति के अधिकतम छह माह के भीतर ही की जा सकती है।

बीजेपी नेता पर जानलेवा हमला,ब्लेड से रेता गला,हालत गंभीर

बेमेतरा,09 फरवरी 2026। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले के खम्हारिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरगा में देर रात सनसनीखेज घटना सामने आई है। भाजपा नेता एवं ग्राम के पूर्व सरपंच नोहर साहू पर जानलेवा हमला किया गया। हमले में साहू के गले पर ब्लेड से वार किया गया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। हमले के तुरंत बाद घायल भाजपा नेता को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां हालत गंभीर होने पर उन्हें रायपुर रेफर किया गया। डॉक्टरों के अनुसार गले पर गहरा और गंभीर घाव है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नोहर साहू गांव में आयोजित एक विवाह समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। इसी दौरान देर रात गांव के ही एक युवक ने अचानक उन पर ब्लेड से हमला कर दिया।

ओडिशा की महिला ने एक साथ 4 बच्चों को दिया जन्म,इलाज के लिए रायपुर रेफर

महासमुंद,09 फरवरी 2026। मेडिकल कॉलेज सह जिला अस्पताल में एक गर्भवती ने 4 स्वस्थ शिशुओं को शल्य चिकित्सा के माध्यम से जन्म दिया। सभी नवजात शिशुओं को अस्पताल प्रबंधन ने नर्सरी में रखा है। उनकी शिशु रोग विशेषज्ञों की टीम द्वारा विशेष निगरानी की जा रही है। एक साथ 4 संतान पाकर जहां बच्चों के माता-पिता के खुशियों का ठिकाना नहीं है। इस दुर्लभ केस को लेकर गायनेकोलॉजिस्ट एचओडी डॉ. नेहा ठाकुर, डॉ. गरिमा सोलंकी, डॉ. प्रतिमा कोसवारा, डॉ.दर्शना सहित नर्सिंग स्टाफ जुटी हुई थी। टीम ने बताया कि गर्भ में 4 बच्चे होने की वजह से ऑपरेशन अत्यंत चुनौती पूर्ण था। लेकिन समय पर अस्पताल में भर्ती होने की वजह से उन्हें आपरेशन करने में सुविधा हुई। शल्य चिकित्सा से प्रसव कराने वाली चिकित्सकों की टीम भी बहुत उत्साहित है। महासमुंद मेडिकल कॉलेज में यह पहली बार हुआ, जब किसी गर्भवती ने 4 बच्चों को जन्म दिया है। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार की रात गर्भवती मां पुष्पा पति भोजराम ध्रुव (27) चौका पारा ओडिशा को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों के अनुसार वह 34 हफ्ते से गर्भवती थी। प्रेग्नेंसी में चार बच्चों वाली प्रेग्नेंसी का यह केस महासमुंद में पहली बार आया। गायनेकोलॉजिस्ट डॉक्टरों की टीम ने बताया कि चार बच्चों वाली प्रेग्नेंसी बहुत कम होती है। यह स्वाभाविक रूप से लगभग 5 से 7 लाख गर्भवतियों में से किसी एक में होती है। मरीज पहली बार प्रेग्नेंट थी, वह हमारी बुक की हुई मरीज थी। उसे 33 हफ्ते में एडमिट किया गया और कड़ी निगरानी में रखा गया था।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)